दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वर्ष : 3 अंक : 212 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

पीएम मोदी का नया इंस्टाग्राम वीडियो वायरल, जानवरों के साथ उनके खास लगाव की लोग कर रहे तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर पशु-पक्षियों के साथ एक वीडियो साझा कर अपना लगाव व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि लाल किले के लिए निकलने से पहले उनके दोस्त सुबह उनसे मिलने आए थे। गाय 'दीपज्योति' और शेर के शावकों के साथ पहले भी दिख चुका उनका यह संवेदनशील अंदाज पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके जुड़ाव को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जानवरों के प्रति प्रेम एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनका पशु-पक्षियों के प्रति गहरा लगाव नजर आ रहा है। मंच पर अक्सर सख्त और गंभीर दिखने वाले पीएम मोदी इस वीडियो में बेहद सहज, शांत और मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनके इस संवेदनशील और दयालु अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने शेयर किया अनुभव

इस रील को पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक बेहद खास संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना मेरा डेली रूटीन है। कल सुबह, उन्हें किसी तरह पता चल गया कि मैं जल्दी निकल रहा हूं, इसलिए वे मुझसे मिलने आए जब मैं लाल किले के लिए निकल रहा था। हमेशा की तरह स्पेशल!' पीएम का यह भावुक संदेश लोगों के दिलों को छू रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी का जानवरों के प्रति यह प्रेम देखने को मिला है। इससे पहले भी उनकी गाय 'दीपज्योति' के साथ दुलार करती हुई तस्वीरें, शेर के शावकों को बोतल से दूध पिलाते हुए दृश्य, और हाथियों व अन्य वन्यजीवों के साथ तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। पीएम मोदी लगातार देश में पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए भी अपनी बात रखते रहे हैं।

नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विकास और समृद्धि की नई यात्रा पर: सीएम विष्णु देव साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस माँ भारती की वंदना, हमारे गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने का पावन अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर और वीर सावरकर सहित स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, गेंद सिंह, धुरवा राव, यादव राव, वेंकट राव, डेबरी धुर और आयतु माहरा सहित जननायकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी का संदेश – 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं', संत कबीर की वाणी और बाबा गुरु घासीदास जी का 'मनखे-मनखे एक समान' का उद्घोष हमें स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों की निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद

मुखर्जी की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय एकता के संकल्प का स्मरण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता मिली है। माओवाद से मुक्त बस्तर में आज तिरंगा यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जा रहा है। जो क्षेत्र कभी हिंसा और भय से प्रभावित थे, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर की सर्वांगीण प्रगति डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जगदलपुर में राष्ट्रीय स्तर की मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का आयोजन बदलते बस्तर की नई पहचान का प्रतीक है। अब बस्तर के नवनिर्माण का स्वर्णिम समय है।मुख्यमंत्री ने बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुन्ने अभियान' के माध्यम से 31 योजनाओं और 14 सामुदायिक सुविधाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करते हुए बस्तर संभाग के 39 लाख से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद पड़े स्कूलों को पुनः प्रारंभ करने के साथ 36 नए स्कूल स्वीकृत किए गए हैं। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है।

'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' में 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच कर हेल्थ प्रोफाइल तैयार की गई है। लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की 'आजीविका उन्नयन योजना' तैयार की गई है। सुरक्षा कैंप अब सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं तथा वीर गुंडाधुर के गांव नेतानार से शुरू 'सेवा डेरा' के माध्यम से नागरिक सुविधाओं, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

SHORT NEWS

छात्रहित में लिया गया फैसलाः मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का मूल ध्येय प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचाना है। दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के कई मेधावी युवा विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण समय पर प्रवेश नहीं ले सके थे। हम नहीं चाहते कि तिथियों के फेर में किसी भी योग्य विद्यार्थी का एक साल खराब हो या वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए। छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रवेश की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ाई गई है।

महासमुंद में पनीर फैक्ट्री पर छापा, 300 किलो जब्त

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में नकली पनीर बनाने की शिकायत पर राजस्व, खाद्य-औषधि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने फैक्ट्री पर छापा मारा। करीब 3 एकड़ में चल रही इस फैक्ट्री में 300 किलो पनीर मिला है। टीम ने पनीर के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है। भालेसर रोड स्थित वैद्या फूड प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में तैयार पनीर रायपुर और ओडिशा तक भेजा जा रहा था। बता दें कि नकली पनीर और मिलावटी सामान के खिलाफ प्रदेश में आज (17 अगस्त) से फूड डिपार्टमेंट विशेष अभियान चला रहा है जो 23 अगस्त तक चलेगा।

बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर स्थित लाला जगदलपुरी ग्रंथालय परिसर में स्थापित बस्तर क्रिएटर हब स्टूडियो का शुभारंभ किया। आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित यह क्रिएटर हब बस्तर के युवाओं, नवाचारी लोगों और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मकता एवं विचारों को व्यापक मंच तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगा। शुभारंभ के अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने क्रिएटर हब की विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया और यहां उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों की जानकारी ली।

स्वतंत्रता दिवस : राज्यपाल डेका ने लोकभवन में किया ध्वजारोहण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज सुबह लोकभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी। राज्यपाल ने लोकभवन सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने लोकभवन के कर्मचारियों के परिजनों एवं बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की और बच्चों को टॉफी-मिठाई वितरित की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर प्रसन्ना, विधिक सलाहकार सत्यभामा अजय दुबे, उप सचिव निधि साहू सहित लोकभवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मोबाइल एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकभवन से 6 मोबाइल एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये एम्बुलेस भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को महारत्न कंपनी आरईसी के सीएसआर के अंतर्गत दी गई है। ये एम्बुलेंस उत्तर छत्तीसगढ़ के जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर जिले में निःशुल्क सेवा देंगी।

मंत्री लक्ष्मी ने सैनिक भाइयों के लिए भेजे रक्षा सूत्र

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से संचालित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा एकत्रित रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए रवाना किए।

अंबिकापुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं रक्षा सूत्र भेजकर सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की बहनों की ओर से देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। यह अभियान प्रदेश की महिलाओं के सैनिक भाइयों के प्रति स्नेह,

सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब पूरा देश अपने परिवार के साथ खुशियां मनाता है, तब हमारे सैनिक भाई अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण को नमन करते हुए बहनों की ओर से भेजा गया यह रक्षा सूत्र प्रेम, सम्मान और आशीर्वाद का संदेश लेकर जवानों तक पहुंचेगा।

राजवाड़े ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि सैनिकों और देशवासियों के बीच भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें देश के वीर जवानों को यह संदेश दे रही हैं कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से दूर रहने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए रक्षा सूत्र जब सैनिक भाइयों की कलाइयों पर बंधेंगे, तो उनमें प्रदेश की बहनों के स्नेह और आशीर्वाद की अनुभूति होगी।

ग्रामीणों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः राजेश अग्रवाल

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटकोना पहुंचकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे विभिन्न विषयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान उनकी बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली और समस्याओं के निराकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान ग्रामवासियों ने खदान से संबंधित विभिन्न विषय भी मंत्री राजेश अग्रवाल के संज्ञान में लाए। ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री ने कहा कि इस विषय में ग्रामवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को

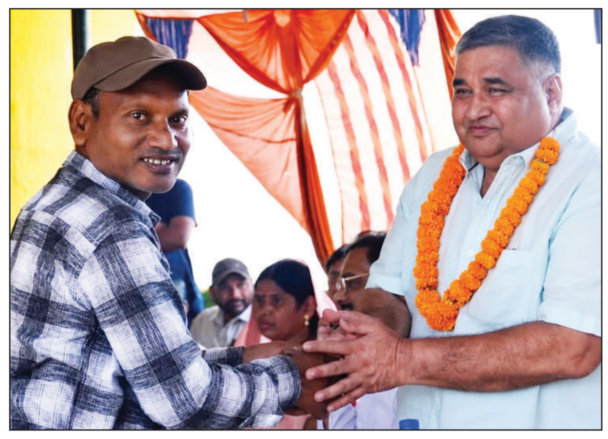

आश्वस्त किया कि पूरे मामले का यथोचित परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

देशभक्ति और उल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने फहराया तिरंगा

बलौदाबाजार । जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना, हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। जिला स्तरीय समारोह स्थानीय पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाईस्कूल मैदान में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सुबह 9 बजे राष्ट्रध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियों और भावी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी।

ध्वजारोहण के बाद केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल, जिला पुलिस, नगर सेना, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं रेडक्रॉस की टुकड़ियों ने शानदार मार्च पास्ट कर राष्ट्रध्वज और मुख्य अतिथि को सलामी दी। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक उषा ठाकुर एवं प्रशिक्षु सूबेदार पुष्पेंद्र राज खटर्जी ने किया। समारोह के दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर उल्लास का संदेश दिया गया।

स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों का सम्मान सांसद अग्रवाल ने जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों लक्ष्मी ठाकुर एवं सावित्री सोनी सहित शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा, आरक्षक हुमेश्वर प्रसाद कुर्रे, हीरालाल गायकवाड़, संतराम साहू, धनंजय वर्मा, संतोष ध्रुव, नरेश कुमार ध्रुव, मिथिलेश कुमार साहू, टेकराम वर्मा एवं प्रधान आरक्षक हेमलाल कौशिक के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी का हालचाल जाना। जिले के मीसाबंदियों का भी सम्मान

किया गया। मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर सीनियर मार्च पास्ट में जिला महिला पुलिस बल ने प्रथम, जिला पुरुष पुलिस बल ने द्वितीय और जिला नगर सैनिक दल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर मार्च पास्ट में स्काउट गुरुकुल इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रथम, गाइड गुरुकुल इंग्लिश हाई स्कूल द्वितीय तथा गाइड पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाईस्कूल तृतीय रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाईस्कूल ने प्रथम, गुरुकुल इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल ने द्वितीय तथा सेक्रेड हार्ट हाईस्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। 71 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं एवं शासकीय कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए करीब 71 अधिकारी-कर्मचारियों को जिला प्रशासन की ओर से प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनमें राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पुलिस, ऊर्जा, परिवहन, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, नगर सेना, पंचायत, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

नगर निगम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में महापौर द्वारा ध्वजारोहण

राजनांदगांव । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर निगम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में महापौर मधुसूदन यादव द्वारा प्रातः 7:30 बजे नगर निगम केन्द्रीय कार्यालय टाऊनहाल में ध्वजारोहण किया गया । इस अवसर पर निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम एवं पूर्व महापौर अजीत जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। महापौर द्वारा निगम पदाधिकारियों की उपस्थिति में टाउन हॉल में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके अलावा गौरव स्थल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित की गयी। नगर निगम टाउन हाल सभागृह में आयोजित समारोह में महापौर यादव ने 80वीं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनांए देते हुए कहा कि इस आजादी को प्राप्त करने के लिए

जिन लोगो ने देश में शहादत दिये उन्हें मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। हमारा देश उत्तरोत्तर प्रगति करे ऐसी कामना करता हूँ। उन्होंने कहा कि आज हम शहर के लोगो को बेहतर सुविधा देने अपने दयित्वों को ईमानदारी एवं जिम्मेदारी पूर्वक निर्वाहन करने का संकल्प लेकर कार्य करे, ताकि अगले साल के स्वतंत्रता दिवस तक उसका परिणाम दिखे। साथ ही शहर के लोगो का विश्वास निकाय के प्रति बढ़े ऐसा कार्य करने का संकल्प ले। टाऊन हाल में आयोजित समारोह में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्यों सर्व सावन वर्मा, राजेश जैन रानू, शैकी बग्गा, मती केवरा राय, मती वर्षा सिन्हा, डीलेश्वर प्रसाद साहू, वरिष्ठ सभापति मती खेमिन यादव, कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल, अपिल समिति ।

धान खरीदी केदो में मनाया स्वतंत्रता दिवस

बालोद । जिले के डौंडीलोहारा ब्लॉक अंतर्गत जिला सहकारी बैंक दुधली के अधीनस्थ आदिम जाति सेवा सरकारी समिति दुधली, चिल्हाटी, कोबा, पापरा में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस दौरान किसानों, प्राधिकृत अध्यक्ष, समिति प्रबंधक सहित समितियों के कर्मचारियों ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान गाया। स्थानीय किसानों ने भी बढ़-चढ़कर उत्सव में हिस्सा लिया और देश के स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया और उपस्थित लोगों में बूंदी की प्रसाद बांटी गई।

ग्राम पंचायत दुधली में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, सरपंच पिलेश्वरी नेताम ने किया ध्वजारोहण

बालोद । ग्राम पंचायत दुधली में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व बेहद हर्षोल्लास, धूमधाम और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य कार्यक्रम पंचायत भवन परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पिलेश्वरी नेताम द्वारा गरिमामयी उपस्थिति में भव्य ध्वजारोहण किया गया।समारोह की शुरुआत सुबह स्कूली बच्चों की भव्य प्रभात फेरी से हुई। प्राचार्य डी. एन. यादव के मार्गदर्शन में स्थानीय विद्यालय से शुरू हुई यह प्रभात फेरी देशभक्ति के नारों और हर घर तिरंगा अभियान के संदेशों के साथ पूरे गांव का भ्रमण करते हुए ग्राम पंचायत भवन पहुंची। प्रभात फेरी में शामिल बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों के हाथों में लहराता तिरंगा पूरे माहौल को राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर कर रहा था।ग्राम पंचायत भवन पर बच्चों और ग्रामीणों की मौजूदगी में सरपंच पिलेश्वरी नेताम ने तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के तुरंत बाद पूरा

परिसर जन-गण-मन के सामूहिक राष्ट्रगान और भारत माता की जय व वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से गुंजायमान हो उठा।इस गरिमामयी राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर उपसरपंच मोहित देशमुख, सचिव डिलेश्वरी विश्वकर्मा, रोजगार सहायक बिंदुकुमारी देशमुख तथा प्राचार्य डी. एन. यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही पंचगण भूपेंद्र धनकर, जाफर तिगाला, मधु साहू, पुष्पलता देशमुख, युवती देशमुख, कनेश्वरी ठाकुर, नेमसिंह ठाकुर, यशोदा देशमुख, कमलेश ठाकुर, आरती भट्ट, पूर्णिमा देवांगन, दुलेश्वरी मसिया, मधुकांत साहू, रेखा ठाकुर, सोमन धनकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, स्कूल के बच्चे और गणमान्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।समारोह को संबोधित करते हुए सरपंच पिलेश्वरी नेताम ने सभी ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि हमें एकजुट होकर गांव के विकास, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम के सफल समापन पर सरपंच, उपसरपंच और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा प्रभात फेरी में शामिल बच्चों और सभी ग्रामीणों के बीच मिष्ठान (मिठाई) का वितरण किया गया।

क्रिकेट से भाईचारा का सन्देश,स्वतंत्रता दिवस पर सद्भावना मैच का आयोजन

बलौदाबाजार । सद्भाव और भाईचारा का सन्देश देने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा शनिवार को सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान में आयोजित सद्भावना क्रिकेट मैच मे प्रशासन एकादश और पत्रकार इलेवन की टीम ने भाग लिया। मैच में दोनों टीमों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें प्रशासन एकादश क़ी टीम ने बेहतर प्रदर्शन कर विजेता बना।विजेता टीम के कप्तान कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं उप विजेता टीम के कप्तान प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी क़ो ट्रॉफी प्रदान किया गया। टॉस जीत कर पत्रकार इलेवन क़ी टीम ने पहले बल्लेबाजी चुना और निर्धारित 8

ओवर में 3 विकेट खोकर 123 रन बनाए ।124 रन के लक्ष्य क़ा पीछा करते हुए प्रशासन एकादश क़ी मजबूत टीम ने 7 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया । इस तरह से प्रशासन एकादश 7 विकेट से विजयी हुआ। बैटिंग और बॉलिंग में बेहतर प्रदर्शन करने पर प्रशासन एकादश से प्रेम निषाद को ऑल राउंडर,बेस्ट फिल्डर आशीष तिवारी,बेस्ट बैट्स मैन के लिए पत्रकार इलेवन से खिलेश्वर जायसवाल एवं बेस्ट बॉलर के लिये दिलीप माहेश्वरी को ट्रॉफी प्रदान किया गया इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर सद्भावना मैच का आयोजन अच्छी पहल है जिसमें प्रशासन और नागरिकों मे मेल- मिलाप बढ़ता है और एक दूसरे क़ो जानने का भी मौका मिलता है। इस बार बॉलिंग मे एक खिलाडी एक ओवर नियम से सभी को बॉलिंग का मौका मिला।

जागरूक बनें, सुरक्षित रहें और सशक्त डिजिटल भारत के निर्माण में अपना योगदान दें

बेमेतरा । प्रदेशवासियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक एवं सुरक्षित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान का प्रदेशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। देश की आजादी की भावना से प्रेरित यह अभियान साइबर अपराध के विरुद्ध जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाने तथा छत्तीसगढ़ को साइबर अपराध से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों, उनसे बचाव के उपायों तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों की जानकारी देना है।

साइबर जागृति अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ राजधानी रायपुर में माननीय मुख्यमंत्री महोदय विष्णु देव साय जी एवं माननीय उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री महोदय विजय शर्मा जी द्वारा किया गया। प्रदेश स्तरीय शुभारंभ के साथ ही अभियान को प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तर पर व्यापक रूप से संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि महोदय दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, बेमेतरा विधायक माननीय दीपेश साहू, जिले के कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुप्रतिष्ठा ममगाईं (भा.प्र.से.), पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल सहित प्रेस एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के बंधुओं ने जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल परेड ग्राउण्ड में ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात, छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 02 अक्टूबर तक चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के अंतर्गत समस्त अतिथिगण एवं नगरवासियों की उपस्थिति में 'जागरूकता की एक सेल्फी' ली एवं नागरिकों को इस विशेष अभियान से जुड़ने का अपील किया। उन्होंने कहा कि आजादी के महापर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन आवसर पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय विष्णु देव साय जी एवं माननीय उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री महोदय विजय शर्मा जी द्वारा साइबर अपराध पर नियंत्रण एवं लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर साइबर जागृति महाभियान का शुभारंभ किया गया है।

नन्हे-मुन्नों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मुख्य अतिथियों व सरपंच ने किया उत्कृष्ट छात्रों का सम्मान

बालोद । स्थानीय स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुधली में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस गौरवशाली अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौशल्या ठाकुर एवं ग्राम पंचायत दुधली की सरपंच श्रीमती पिलेश्वरी नेताम, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष देव कुमार देवांगन, शाला के प्राचार्य डी. एन. यादव की गरिमामयी उपस्थिति में तिरंगा फहराया गया। इसके तुरंत बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन-गण-मन गाया गया और पूरा परिसर भारत माता की जय व वंदे मातरम के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। प्रभात फेरी निकाली गई इसके पश्चात इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। सरस्वती शिशु मंदिर दुधली, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, स्वामी आत्मानंद स्कूल एवं नवोदय

विद्यालय दुधली के छोटे-छोटे बच्चों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों पर मनमोहक नृत्य, नाटक और लघु भाषणों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की इन शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी पालकों, शिक्षकों और अतिथियों का मन मोह लिया।समारोह के दौरान विद्यालय स्तर पर शिक्षा, खेलकूद, अनुशासन और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में वर्षभर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कौशल्या ठाकुर, शाला विकास समिति के अध्यक्ष देव कुमार देवांगन, सरपंच पिलेश्वरी नेताम और प्राचार्य डी. एन. यादव द्वारा मेधावी बच्चों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया।मुख्य अतिथि कौशल्या ठाकुर, अध्यक्ष देव कुमार देवांगन, सरपंच पिलेश्वरी नेताम और प्राचार्य डी. एन. यादव ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें लगन से पढ़ाई करने और आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के सफल समापन पर उपस्थित सभी बच्चों, पालकों और ग्रामीणों के बीच मिष्ठान (मिठाई) का वितरण किया गया।इस अवसर पर विशिष्ट जन संजय दुबे, दामेश्वर देशमुख, पावेंद्र देशमुख, रवि कोमरें, हरिवंश देशमुख, प्रीतम साहू, भोलाराम देशमुख, राजकुमार प्रभाकर, इशांक खान, बिसौहा देशमुख सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ जन, ग्रामीण जन, शाला परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्साह, गरिमामय वातावरण में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

सारंगढ़ । स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व जिले में पूरे उत्साह, उमंग, गौरव, गरिमामय वातावरण में समारोह पूर्वक मनाया गया। जिला मुख्यालय सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में वन्दे मातरम गीत से स्वतन्त्रता दिवस समारोह आरम्भ हुआ। सांसद राधे श्याम राठिया ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। पूरे मैदान में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम,राष्ट्रीयगौरव का वातावरणदिखा ।ध्वजारोहण पश्चात मुख्यातिथि ने परेड निरीक्षण किया। परेड में जिला पुलिस बल पुरुष, जिलापुलिस बल महिला,एन सी सी पुरुष, एनसीसी महिला, स्काउट - गाइड तथा रेडक्रॉस के दल शामिल हुए। विभिन्न प्लाटूनों ने अनुशासन, कदम ताल और देशभक्ति की भावना के साथ शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि को परेड की सलामी दी। इसके बाद हर्ष फायर, राष्ट्रगान का धुन वादन किया गया । मुख्यातिथि राठिया ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किये। उन्होंने अपने संदेश में प्रदेश के विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं व राज्य के नागरिकों की खुशहाली के लिए किए जा रहे प्रयास का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि ने उल्लास और उमंग के प्रतीक रंग-बिरंगे गुब्बारों को आशमां में छोड़ स्वतंत्रता दिवस की शुभ कामनाएं दीं। इसके बाद परेड में नेतृत्व करने वाले टुकड़ी के कप्तानों से मुख्य अतिथि

ने परिचय प्राप्त किया । परेड में शामिल जवानों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट - गाइड एवं रेडक्रॉस के विद्यार्थियों ने अनुशासन, समर्पण, राष्ट्रसेवा की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया। समारोह में देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा शहीद जवानों के परिवारजनों को मुख्य अतिथि द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया । इन पारिवारिक सदस्यों में सरसीवां के उप निरीक्षक विवेक शुक्ला, आरक्षक नंदकुमार साहू, ग्राम संडा के आरक्षक सुभाष बेहरा और ग्राम कपिस्दा के वीर सिंह श्रीवास के परिजन उपस्थित थे। साथ ही पूर्व सैनिकों से भेंटकर मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों और जिले के अन्य उत्कृष्ट कार्यों में शामिल लोगों, समाजसेवी डॉक्टर , खिलाड़ी कों प्रशस्ति एवं सम्मान प्रदान किया गया। इससमारोह का सबसे आकर्षक व भाव पूर्ण पक्ष स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। इस सांस्कृतिक कार्य क्रम परिणाम में प्रथम स्थान मोना मॉर्डन स्कूल सारंगढ़, द्वितीय स्थान आदर्श ज्योति विद्यालय छिंद तथा तृतीय स्थान शा. हा, हरदी (सारंगढ़) को प्राप्त हुआ। विजेता संस्था को पुरस्कार प्रदानकर सम्मानित किया गया। इन तीनों विजेता स्कूल के अलावा शा. आत्मानंद स्कूल भटगांव, सारंगढ़ के शाकउमा.विद्यालय अशोका पब्लिक स्कूल, सीपीएम स्कूल और संत थामस स्कूल ने नृत्य, अभिनय की प्रस्तुति देकर दर्शको को देश भक्ति से सराबोर किए।स्वतंत्रता दिवस परेड के जूनियर डिवीज़न परिणाम में प्रथम स्थान जूनियर डिवीज़न सेजेस सारंगढ़, द्वितीय स्थान जूनियर विंग सेजेस सारंगढ़ तथा तृतीय स्थान स्काउट रोवर श.क. हा सेकेण्डरी स्कूल सारंगढ़ को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार सीनियर डिवीजन में प्रथम स्थान जिला पुलिस बल सशस्त्रबल को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान एनसीसी सीनियर डिवीजन तथा तृतीय स्थान पुलिस विभाग सेकेण्ड टीम को मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्लाटूनों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया,मुख्य समारोह में विधायक उत्तरी जांगड़े, जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय,गणमान्य नागरिक ज्योति पटेल, सुभाष जालान, पत्रकार, अधिकारी कर्मचारी, पालक और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे थे ।

प्रेस क्लब में अध्यक्ष नरेश गनशानी ने फहराया तिरंगा, देशभक्ति के नारों से गूंजा परिसर

बलौदाबाजार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बलौदाबाजार प्रेस क्लब में गरिमामय ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और पूरा परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों एवं प्रेस क्लब सदस्यों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष के साथ स्वतंत्रता दिवस का उत्साह मनाया। अध्यक्ष नरेश गनशानी ने सभी पत्रकारों एवं नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की जिम्मेदारी और समाजहित में पत्रकारों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रेस क्लब उपाध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी, सचिव दलजीत सिंह चावला, जयनारायण केशरवानी, शिवशंकर अग्रवाल, विमल गोविंदानी, राजेश्वर गिरी, विजय शंकर तिवारी, राघवेंद्र सिंह, मिथिलेश वर्मा, गोविंद रात्रे, राजा वालेचा, पुष्पकांत मेजर, संतोष यादव, आभास शर्मा, मोहित मरकाम, तुलसी साहू, गणेश साहू, शंकर दुलानी, शलभ बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गरिमा गृह में स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति द्वारा सरोना स्थित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के आश्रय स्थल गरिमा गृह में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर गरिमा गृह के विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियों एवं फूलों की सजावट से पूरे परिसर को सुंदर ढंग से सुसज्जित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत रविदास वार्ड के पार्षदअर्जुन यादव एवं मंडल अध्यक्ष विशेष शाह तथा भाजपा NGO प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक संदीप अग्रवाल जी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में प्रिया सिंह राजपूत, कार्यसमिति सदस्य, ह्त्वह्न प्रकोष्ठ भाजपा छत्तीसगढ़ एवं प्रदेश महामंत्री, लोकतंत्र प्रहरी नारी शक्ति छत्तीसगढ़ सहित राजनीतिक कार्यकर्ता संजीव सोनगर, पॉपी देवनाथ, प्रोग्राम मैनेजर गरिमा गृह तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद गरिमा गृह के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

संस्था की अध्यक्ष विद्या सिंह राजपूत ने स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास एवं देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर प्रकाश डाला। गरिमा गृह की कार्यक्रम प्रबंधक पॉपी देवनाथ ने भारतीय संविधान में निहित मूलभूत अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी।

संस्था की कोषाध्यक्ष रवीना बरीहा ने देशभक्ति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों की जानकारी साझा की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मधु, तनु, मोनी, सपना, मेघा एवं मंजू ने छत्तीसगढ़ी देशभक्ति गीतों एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से उपस्थितजनों का मन मोह लिया और खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम का समापन संस्था के बोर्ड सदस्य गोविंद सांडेकर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं बच्चों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, बच्चों एवं उपस्थितजनों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

मनेंद्रगढ़ में शान से लहराया तिरंगा, मंत्री जायसवाल ने ली परेड की सलामी

एमसीबी। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मनेंद्रगढ़ के आमाखेरवा स्थित पुलिस ग्राउंड में गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रहे जिन्होने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को नमन किया और परेड की सलामी ली। ध्वजारोहण के साथ ही पूरा समारोह स्थल राष्ट्रभक्ति के भाव से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम सहित, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, शहीद परिवारों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य अतिथि जायसवाल ने प्रदेशवासियों के नाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संदेश का वाचन किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों, अमर शहीदों और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान सपूतों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को याद करने, देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लेने का पर्व है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिले के शहीद परिवारों के सदस्यों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि शहीदों का त्याग और उनका सर्वोच्च बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है। शहीद परिवारों का सम्मान पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। शहीद परिवारों के सम्मान के दौरान समारोह स्थल का वातावरण भावुक और गौरवपूर्ण हो गया। उपस्थित लोगों ने भी वीर शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

सीमा पर तैनात जवानों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

अम्बिकापुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के अंतर्गत सरगुजा संभाग की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा बड़ी संख्या में रक्षा सूत्र एकत्रित कर सैनिकों के लिए भेजे गए। अंबिकापुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए देश की रक्षा में समर्पित जवानों के लिए रक्षा सूत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने सैनिक भाइयों के लिए रक्षा सूत्र भेजते हुए कहा कि यह लगातार चैथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की महिलाओं की ओर से सरहद पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि प्रदेश की महिलाएं देश की रक्षा में दिन-रात डटे सैनिक भाइयों के प्रति अपना स्नेह और सम्मान प्रकट कर रही हैं।

राजवाड़े ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब परिवार के सदस्य एक-दूसरे के साथ रहते हैं, उस समय हमारे सैनिक भाई देश की सीमाओं पर तैनात रहकर राष्ट्र की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं। वे अपने परिवार से दूर रहते हुए देशवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। ऐसे में बहनों द्वारा भेजा गया यह रक्षा सूत्र उनके लिए केवल राखी नहीं, बल्कि बहनों का प्यार, स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद लेकर पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि रक्षा सूत्र के माध्यम से सैनिक भाइयों को यह संदेश दिया जा रहा है कि देश की माताएं, बहनें और पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। यह भावनात्मक जुड़ाव निश्चित रूप से सैनिकों के मनोबल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजवाड़े ने कहा कि यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सैनिकों और समाज के बीच भावनात्मक संबंध को मजबूत करने वाला अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार एवं भेजे गए रक्षा सूत्र सैनिकों तक छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह पहुंचाने का माध्यम बनेंगे।

कार्यक्रम में अभियान के संयोजक एवं पूर्व सैनिक महासभा के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह राणा ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि 'सिपाही रक्षा सूत्र' अभियान पिछले चार वर्षों से संचालित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से हुई थी। अभियान के माध्यम से प्रदेश की बहनों द्वारा देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में अभियान के पहले वर्ष लगभग 6 लाख 71 हजार रक्षा सूत्र भेजे गए। वर्ष 2024 में लगभग 9 लाख तथा वर्ष 2025 में 12 लाख 21 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों तक पहुंचाए गए। इस प्रकार पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ की माटी से लगभग 27 लाख 92 हजार रक्षा सूत्र भारतीय सैनिकों के सम्मान में भेजे जा चुके हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टर वसंत ने जिला कलेक्टोरेट परिसर में किया ध्वजारोहण

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला कलेक्टोरेट परिसर में प्रातः 7:30 बजे ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा, छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के छायाचित्र पर कलेक्टर वसंत सहित जिला अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर नमन किया गया। तत्पश्चात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान का गायन किया।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर वसंत ने सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी को अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहते हुए निष्ठापूर्वक ढंग से कार्य करने प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक, रामसिंह ठाकुर सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लास महाचौपाल और रैली से निरक्षरों के लिए साक्षरता जागरूकता अभियान

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । स्वतंत्रता दिवस पर जिले के सभी विद्यालय परिसर में देशभक्ति के साथ साथ साक्षरता जनजागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा और साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना रहा। आयोजन में शाला परिवार के साथ ग्रामीणों और स्वसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत तिरंगा रैली और उल्लास महाचौपाल जनजागरूकता रैली से हुई। हाथों में तिरंगा लेकर बच्चे और सहभागियों ने पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया और लोगों को देशभक्ति, शिक्षा एवं साक्षरता का संदेश दिया। रैली के दौरान ग्रामवासियों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक लोगों को साक्षरता अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। जन-जन तक शिक्षा का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से आकर्षक दीवार लेखन भी किया गया।

वहीं हल्दी-चावल का पारंपरिक न्योता देकर ग्रामीणों और माताओं को साक्षरता अभियान में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया। इस पहल के माध्यम से अभियान को घर-घर तक पहुंचाने और समुदाय की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया गया।

अभियान की खास बात व्यापक जनभागीदारी रही। इसमें विद्यालय के शिक्षक, संकुल समन्वक, संकुल प्राचर्या एवं कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, क्षेत्र की माताएं, स्वयंसेवी कार्यकर्ता तथा हाल ही में नवसाक्षर हुए लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर शिक्षा और जागरूकता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया।

80 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का गरिमामय आयोजन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

अम्बिकापुर। जिले में 80 वें स्वतंत्रता दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन और पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने जिला मुख्यालय के पीजी कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रगीत वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान का गायन किया गया।

ध्वजारोहण के पश्चात मंत्री नेताम ने कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के साथ परेड का निरीक्षण किया, इसके पश्चात उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया। मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े गये।

तत्पश्चात परेड में शामिल पुलिस बल, नगर सेना की सशस्त्र टुकडियों द्वारा हर्षफायर कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी और राष्ट्रपति का जय घोष किया गया। कार्यक्रम स्थल पर शॉल व श्रीफल देकर 12 शहीदों के परिवारों का सम्मान किया गया।

परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत तथा सेकंड इन परेड कमांडर प्रशिक्षु पेविन वर्मा के नेतृत्व में कुल 13 प्लाटूनों ने परेड का शानदार प्रदर्शन किया। इसमें जिला पुलिस बल पुरुष प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक डिगेश्वर वर्मा, नगर सैनिक बल पुरुष प्लाटून के कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक महेश कुमार नेताम तथा नगर सैनिक बल महिला प्लाटून की कमांडर प्रशिक्षु उप निरीक्षक आशी भंग शामिल रहीं।

CKS के नए प्रदेश अध्यक्ष बने धीरेंद्र साहू, दिलीप मिरी को प्रदेश संयोजक की जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में करीब एक दशक से सक्रिय गैर-राजनीतिक संगठन छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना में संगठनात्मक बदलाव किया गया है। कोरबा के घंटाघर चौक स्थित सियान सदन में आयोजित प्रादेशिक बैठक में सैकड़ों जिला पदाधिकारियों और सेनानियों की मौजूदगी में नई प्रदेश टीम की घोषणा की गई।

बैठक में रायपुर के धीरेंद्र साहू को छ्त्यस् का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की गई। वहीं अधिवक्ता दिलीप मिरी को प्रदेश संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने इस बार कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष का पद भी बनाया है, जिसके लिए कोरबा के अतुल दास महंत को नियुक्त किया गया। उमगोपाल को प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया।

बैठक में वार्षिक भोजली महोत्सव की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। संगठन ने प्रादेशिक त्योहारों को जिलेवार आयोजित करने का निर्णय लिया। साथ ही 29 अगस्त को होने वाले भोजली महोत्सव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई।

CKS ने संगठन के साथ विधि विशेषज्ञों की टीम जोड़ने का भी निर्णय लिया। अधिवक्ता सुनील मानिकपुरी को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल करते हुए लीगल टीम को संगठन से जोड़ा गया है। संगठन के अनुसार, पिछले एक दशक में विभिन्न मामलों में कई सेनानियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए हैं। ऐसे मामलों में कानूनी सलाह और पैरवी के लिए अधिवक्ताओं का पैनल सहयोग करेगा।

बैठक में रायपुर से जिला पदाधिकारी नेहा वर्मा, जागेंद्र साहू, मनीष वर्मा और भामा साहू सहित कोरबा, जांजगीर, रायगढ़, बिलासपुर और अन्य जिलों से सेनानी शामिल हुए।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष धीरेंद्र साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रादेशिकता और स्थानीयता को मजबूत करने के उद्देश्य से छ्त्यस् का गठन हुआ है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और छत्तीसगढ़िया अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर जनजागरण बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रदेश संयोजक अधिवक्ता दिलीप मिरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ियावाद और स्वाभिमान के मुद्दों पर संगठन लगातार काम करता रहेगा। प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्ररथ वर्मा ने सांस्कृतिक, भाषाई और पारंपरिक पहचान के संरक्षण के लिए युवाओं से आगे आने की अपील की।

बैठक के अंत में प्रदेश प्रभारी मोनी कठोत्रे ने 29 अगस्त को आयोजित भोजली महोत्सव में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने सारंगढ़ कलेक्ट्रोरेट में किया ध्वजारोहण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ में स्वतंत्रता दिवस की सुबह 8 बजे कलेक्टर कार्यालय में भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्र ध्वज तिरंगा का ध्वजारोहण किया। कलेक्टर ने इस अवसर पर उपस्थित कलेक्टर कार्यालय के और अन्य विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। सभाकक्ष में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह पर गीत, विचार की प्रस्तुती दी।

कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को ही आजादी का जश्न नहीं बल्कि प्रतिदिन आजादी का जश्न मनाना चाहिए। लोगों के कलेक्ट्रेट या किसी भी कार्यालय में आने पर उनके आवेदन का अवलोकन कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ देना, उनके समस्याओं का तुरंत निराकरण करना सच्ची देशभक्ति है। शासकीय सेवक के रूप में उनकी सहायता करें। केंद्र और राज्य सरकारी ने जो अधिकार दिए हैं उसका उपयोग करें। सीएम हेल्पलाइन जैसे अन्य माध्यमों से आए आवेदनों का भी त्वरित निराकरण करें। इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी विनय तिवारी ने दिल दिया है जान भी देंगे गीत गाया।

मारुति फाउंडेशन हेरिटेज इंडिया द्वारा आयोजित तिरंगा रायपुर चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई सृजनात्मक प्रतिभा

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मारुति फाउंडेशन हेरिटेज इंडिया द्वारा दिव्यांग अर्पण पब्लिक स्कूल में 'तिरंगा रायपुर' चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सामान्य एवं दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलाकृतियों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और तिरंगे के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त किया।

मारुति फाउंडेशन हेरिटेज इंडिया की अध्यक्षा मेघा तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा देशभक्ति की भावना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता 6 से 15 वर्ष तथा 16 से 20 वर्ष की दो श्रेणियों में आयोजित की गई। दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन रेणु मनुजा एवं सुधा गोहिल ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सीमा छाबड़ा, तनुश्री दास तथा सहयोगी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इंसान हो या कंपनी, लगातार अडेप्टेशन ही टिकाऊ विकास का जरिया बनता है

आप में से कितने लोग ऐसे किसी व्यक्ति और कंपनी का नाम बता सकते हैं, जो बाजार के ठहराव से आगे निकलने के लिए अपनी स्किल, स्ट्रैटजी और स्ट्रक्चर में लगातार बदलाव कर रही हों? मेरे पास दोनों श्रेणियों के एक-एक उदाहरण है। दोनों की कहानी यहां पेश है।

जब मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री कवर करना शुरू किया तो देखा कि दस साल के शोध में हिताची, पैनासोनिक, तोशिबा, फुजित्सु, सान्यो और सोनी- ये छह कंपनियां बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थीं। पहली पांच कंपनियों को तो घाटा हो रहा था, जबकि सोनी ने अपने टर्नओवर पर महज 1.4% मुनाफा कमाया।

लेकिन मैंने देखा कि वीडियो गेम बनाने वाली सातवीं कंपनी निनटेंडो, जिसका आकार सोनी का 1/9 था, टर्नओवर पर 15.3% मार्जिन कमा रही थी। इसी समय जाकर सोनी को महसूस हुआ कि उसे यथाशीघ्र इलेक्ट्रॉनिक्स से एंटरटेनमेंट क्षेत्र में जाना होगा।

मार्च 2026 में जब सोनी ने कहा कि वह अपने टेलीविजन बिजनेस को एक चीनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी के साथ नए जॉइंट वेंचर को सौंप रही है तो जापान में कई लोगों ने उन पुराने दिनों की कसक महसूस की, जब देश की कंज्यूमर-इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री बेहद समृद्ध थी। लेकिन सोनी के सीईओ हिरोकी टोटोकि भावनाओं में बहने वाले व्यक्ति नहीं हैं।

उनके नेतृत्व में आज दुनिया की सबसे जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स फर्म एंटरटेनमेंट क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, जिसका फोकस म्यूजिक, मूवीज और वीडियो गेम्स पर है। सोनी की 'स्पाइडर-मैन' फिल्मों की नवीनतम कड़ी ने अगस्त के शुरुआती वीकेंड में दुनिया भर में 900 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की। डिज्नी की 'एवेंजसः एंडगेम' के बाद यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मूवी लॉन्च है। इससे पहले माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' ने सोनी की म्यूजिक यूनिट का मुनाफा नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था।

चलिए, अकादमिक रुचि के लिए सोनी के इतिहास पर नजर डालिए। 1946 में बमबारी से तबाह टोक्यो में यह कंपनी रेडियो-रिपेयर शॉप के रूप में शुरू हुई थी। चार साल बाद, 1950 में टेप रिकॉर्डर और रेडियो बनाने लगी। 1979 में इसने वॉकमैन, फिर हैंडीकैप और डिस्कमैन जैसे दूसरे प्रोडक्ट बनाए और सोनी क्वालिटी और कूल होने का पर्याय बन गई।

1989 में जब इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स दूसरे क्षेत्रों में फोकस कर रहे थे तो कंपनी ने लगभग 3.4 अरब डॉलर में कोलंबिया पिक्चर्स को खरीदा, जिसमें उसका कर्ज भी शामिल था। आज सोनी की सालाना कमाई का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा मोशन पिक्चर्स, म्यूजिक और वीडियो गेम्स से आता है।

अब अनिल कुंबले को लीजिए। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में क्रिकेटर अनिल कुंबले से ऑफ-फील्ड वह मेरी पहली मुलाकात थी। इससे पहले उनसे मुलाकात हमेशा क्रिकेट मैदानों या स्टेडियमों में हुई थीं। पहली बार हम घास पर साथ चल रहे थे और मैंने देखा कि उनकी आंखें चारों ओर की हरियाली पर टिकी थीं। वो किसी क्रिकेटर की आंखें नहीं थीं, जो बल्लेबाज के फुट-मूवमेंट देख रहा हो, बल्कि ऐसी जिज्ञासु आंखें थीं जो वाइल्डलाइफ पर फोकस कर रही थीं।

उन्होंने इंजीनियर से लेग-स्पिनर बने ऐसे खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट में कदम रखा, जिसके पास पारंपरिक तौर पर बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इसके बजाय उन्होंने घातक सटीकता, गति में मामूली बदलाव और रणनीतिक अनुशासन को अपनाया। फिर उन्होंने नेतृत्व की भूमिका अपनाई।

कप्तान और कोच के रूप में उन्होंने अपने जबरदस्त वर्क-एथिक्स के साथ टीम को गाइड किया। बाद में अपने एनालिटिकल दिमाग का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने इंडियन नेशनल टीम और आईपीएल फ्रेंचाइजियों के मेंटर और कोच के रूप में काम किया। वह स्पेक्टाकॉम टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर बने, जहां उन्होंने अपने एनालिटिकल खेल अनुभव और टेक्नोलॉजी को मिलाकर स्मार्ट बैट सेंसर विकसित किए, जो बैटिंग परफॉर्मेंस को रियल-टाइम में ट्रैक करते हैं। एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर के तौर पर उन्होंने अपनी बारीक नजर से प्राकृतिक जगत पर फोकस किया। उन्होंने 'वाइड एंगल' किताब प्रकाशित की और फोटोग्राफी के जरिए वन्यजीव संरक्षण में योगदान दिया।

कंपनियों के लिए नियमित री-स्ट्रक्चरिंग और टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन से ऑपरेशनल वेस्ट कम हो सकता है, कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं और बदलती कंज्यूमर डिमांड को पूरा किया जा सकता है।

आजादी की वह कीमत, जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

हमारे लिए 14 अगस्त केवल भारत के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या नहीं है। यह भारतीय इतिहास का वह दिन है, जो कि इतिहास में सबसे पीड़ादायक और काले अध्याय के रूप में दर्ज है, जिसने स्वतंत्रता की खुशी के साथ करोड़ों भारतीयों के जीवन में ऐसा दर्द भर दिया, जिसकी टीस पीढ़ियों तक महसूस होती रहेगी। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त 2021 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर उन लाखों लोगों के संघर्ष, बलिदान और विस्थापन को राष्ट्रीय स्मृति का हिस्सा बनाया है, जिन्होंने देश के विभाजन की कीमत अपने घर, जमीन, संपत्ति, परिवार और अपने प्राण देकर चुकाई। विभाजन को समझना केवल इतिहास की एक घटना को समझना नहीं है। बल्कि यह समझना है कि स्वतंत्रता हमें कितनी बड़ी मानवीय त्रासदी की कीमत चुकाने के बाद मिली है ।

यह प्रश्न आज की पीढ़ी के सामने रखा जाना आवश्यक है। भारत का विभाजन किसी एक दिन का निर्णय नहीं था। इसके पीछे कई दशकों की औपनिवेशिक राजनीति, साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था, कतिपय नेताओं के अपने -अपने राजनीतिक हित और महत्वाकांक्षाओं का उभार, हिन्दू-मुस्लिम संबंधों में बढ़ता अविश्वास और अंततः मुस्लिम लीग द्वारा पृथक राष्ट्र की मांग जैसे अनेक कारण थे।

14 अगस्त का विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन लाखों लोगों के संघर्ष, विस्थापन और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने 1947 में अपना घर-बार, संपत्ति और अपनों को खोकर स्वतंत्रता की कीमत चुकाई। विभाजन की त्रासदी ने करोड़ों लोगों को विस्थापित किया, लेकिन विस्थापित परिवारों ने मेहनत, आत्मसम्मान, शिक्षा और उद्यमिता के बल पर नए जीवन का निर्माण किया और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दिवस का उद्देश्य किसी समुदाय के प्रति घृणा पैदा करना नहीं, बल्कि इतिहास से सीख लेकर सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और मानवीय संवेदना को मजबूत करना है। नई पीढ़ी को समझना होगा कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि हमारे पुरखों के त्याग से मिली अमूल्य विरासत है, जिसकी रक्षा और समृद्धि हमारी जिम्मेदारी है।

एक नया आसमान छू लेने को तैयार हैं हमारे 'अपने' एथलीट

यह 2010 के आखिरी महीनों की बात है। नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल अभी-अभी समाप्त हुए थे। कुछ एथलीट आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी किसी ने एशियाई खेलों का जिक्र किया, जो एक महीने से भी कम समय दूर थे। दीपिका मलिक वहां मौजूद थीं। वे बातचीत में शामिल हुईं और उन्होंने वहां मौजूद लोगों को बताया कि एशियाई पैरा खेल भी बस आने ही वाले हैं। तभी किसी ने पूछा कि 'पैरा' से उनका मतलब 'पैराशूट' है क्या?

15 साल पहले भारत में पैरा खेलों को लेकर शायद ही कोई संवेदनशीलता थी। लोग बिना यह समझे कि ऐसे शब्द दूसरों की भावनाओं को आहत कर सकते हैं, सहज ही अंधा, अपाहिज, लंगड़ा जैसे शब्द बोल देते थे।

फिल्म 'चिल्ड्रन ऑफ अ लेसर गॉड' को अब चार दशक हो चुके हैं, जिसने श्रवण-दिव्यांगता से जूझ रही एक युवा महिला के संवेदनशील चित्रण के लिए मार्ली मैटलिन को अकादमी पुरस्कार दिलाया था। लेकिन फिल्म का शीर्षक ही इस बात की याद दिलाता था कि हम उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, जो हमसे 'अलग' हैं, खासकर शारीरिक रूप से।

पहले हमारे पैरा खिलाड़ियों को पदक बहुत कम मिलते थे और उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जाता था, जिसके वे हकदार थे। शायद यही वजह थी कि देवेंद्र झाझरिया के पिता ने 2004 पैरालिम्पिक से पहले उनसे कहा था कि अगर वे एथेंस में स्वर्ण जीतते हैं, तभी हालात बदलने की कोई संभावना होगी। अगर वे विफल होते, तो भारत में दिव्यांगता के साथ जी रहा हर व्यक्ति उनके साथ विफल होता। लेकिन देवेंद्र ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता और बदलाव के बीज बो दिए गए।

पेरिस पैरालिम्पिक खेलों का उदाहरण लीजिए। इन खेलों को करीब से देखने वाले जानते थे कि भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारत ने 2023 पैरा एशियाई खेलों में 111 पदक जीते थे और अगस्त 2023 में हुई विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

2022 से 2024 के बीच हमारे खिलाड़ियों ने निशानेबाजी, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस और बैडमिंटन में अपनी अलग पहचान बनाई थी और पेरिस से इस प्रदर्शन के चरम पर पहुंचने की उम्मीद थी। फिर भी मीडिया का समर्थन बहुत कम था।

मुझसे बार-बार पूछा गया, इसका रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट क्या है? कितने लोग इसे देखेंगे? लेकिन यह केवल आंकड़ों का सवाल कब से हो गया? जैसे-जैसे पदकों की संख्या बढ़ेगी, देश में भी इसमें दिलचस्पी बढ़ने लगी। मैं किसी एक व्यक्ति को अलग से रेखांकित नहीं करना चाहता, लेकिन सच्चाई यह है कि इनमें से कई एथलीटों का इससे पहले मीडिया से कभी सामना ही नहीं हुआ था। मुझे यकीन है कि हम लॉस एंजेलेस 2028 में पदक तालिका में शीर्ष 10 में जगह बना सकते हैं। देश में अब जिस तरह की प्रतिभा और क्षमताएं मौजूद हैं, उसे देखते हुए यह कोई दूर की कौड़ी नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

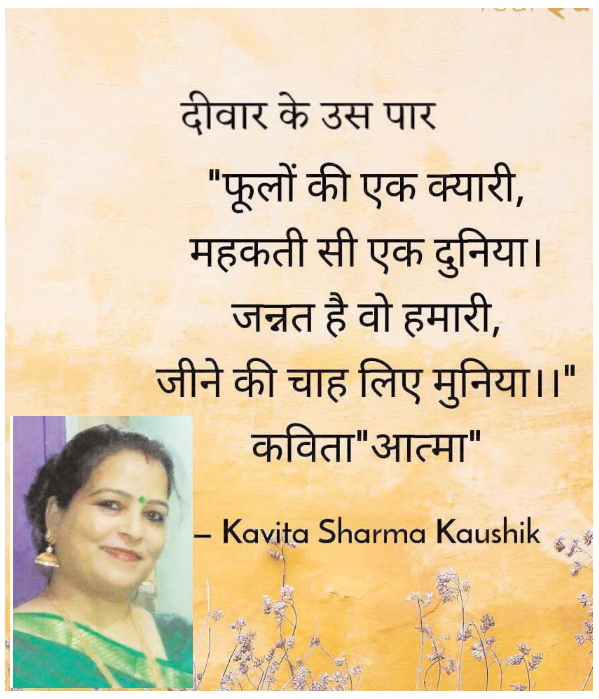

पीढ़ियों को प्रेरित करने वाली असंख्य गाथाएं

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर मैं प्रत्येक भारतवासी को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही उन स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करता हूं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

पिछले सप्ताह अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की यात्रा के दौरान मुझे 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक स्मृति को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

यह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण अनुभव था कि मैं उस धरती पर खड़ा था, जहां नेताजी की आजाद हिंद फौज ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराया था। इस अवसर ने मुझे सितंबर 1939 में नेताजी की मदुरै यात्रा का भी स्मरण कराया, जब वे स्वतंत्रता सेनानी पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर के निमंत्रण पर वहां पहुंचे थे। उस क्षण ने क्षेत्र के असंख्य देशभक्तों के हृदय में स्वतंत्रता की अलख जगा दी थी।

अंडमान स्थित राष्ट्रीय स्मारक सेल्युलर जेल की मेरी यात्रा एक अन्य प्रेरणादायी क्षण रही। इसी जेल में भारत माता के महान सपूत वीर सावरकर, योगेंद्र शुक्ल, बटुकेश्वर दत्त, शचींद्र नाथ सान्याल और अनेक अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा कैद कर एकांत कारावास में रखा गया था।

आज भी राष्ट्रीय स्मारक की ये दीवारें उन वीरों के साहस, उन्हें दी गई यातनाओं और सर्वोच्च बलिदान की गाथाएं सुनाती प्रतीत होती हैं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। 9 अगस्त को- जब हम भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति मना रहे थे- मुझे अंडमान द्वीप समूह में 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। 1942 में महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान करते हुए राष्ट्र को 'करो या मरो' का ओजस्वी नारा दिया था। इस आह्वान के परिणामस्वरूप पूरे देश में आजादी प्राप्त करने की प्रबल आकांक्षा व्याप्त हो गई थी।

आज हमें उसी स्वतंत्रता सेनानी पीढ़ी के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस लेने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक अधिकारों के साथ जीवन जीने का सौभाग्य प्राप्त है, जिन्होंने अपने समय की औपनिवेशिक शक्तियों के विरुद्ध संघर्ष किया। स्वतंत्रता सेनानी चाहे उत्तर में कश्मीर से हों या दक्षिण में तमिलनाडु से, पश्चिम में गुजरात से हों या पूर्व में असम से- सभी क्षेत्रों, वर्गों, आयु समूहों के लोगों ने स्वतंत्रता के साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया था।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रतिरोध की अमर प्रतीक बनीं रानी लक्ष्मीबाई का शौर्य, मंगल पांडे का साहस और बाल गंगाधर तिलक का वह निर्भीक उद्घोष- 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा'- स्वतंत्रता की ओर बढ़ते राष्ट्र के प्रत्येक कदम को शक्ति प्रदान करता रहा।

इसी क्रम में वी. ओ. चिदंबरम पिल्लै ने भारत का पहला स्वदेशी पोत-परिवहन उद्यम शुरू कर औपनिवेशिक शासन के आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती दी। इससे यह सिद्ध हुआ कि स्वतंत्रता का संघर्ष केवल रणभूमि तक सीमित नहीं था, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में भी लड़ा गया था। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की क्रांतिकारी भावना ने आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के लिए त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं रानी गैदिनल्यू की अदम्य भावना ने पूर्वोत्तर भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की लौ प्रज्वलित रखी।

असम की युवा वीरांगना कनकलता बरुआ भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व करते हुए हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर अदम्य साहस के साथ आगे बढ़ीं और अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। बिरसा मुंडा तथा अनेक जनजातीय नेताओं ने भी औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक प्रतिरोध का नेतृत्व किया।

इस स्वतंत्रता दिवस पर मैं तिरुप्पुर कुमारन को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्हें लोकप्रिय रूप से कोडी काथा कुमारन अर्थात ध्वज की रक्षा करने वाले कुमारन के नाम से जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मेरे पैतृक स्थान तिरुप्पुर में उन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मृत्यु निकट जानते हुए भी उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को धरती पर नहीं गिरने दिया था।

कम उम्र में ही कुमारन के हृदय में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित हो उठी थी। महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रभावित होकर कुमारन ने लोगों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए देशबंधु युवा संघ की स्थापना की। कुमारन का विश्वास था कि सच्ची स्वतंत्रता तभी प्राप्त की जा सकती है, जब लोग औपनिवेशिक शासन के अन्याय के प्रति जागरूक हों और उसके विरुद्ध संघर्ष करने का साहस तथा दृष्टि विकसित करें।

10 जनवरी 1932 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान कुमारन ने एक जुलूस का नेतृत्व किया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे वे कुछ साथियों के साथ आगे बढ़े और तिरुप्पुर की सड़कों पर वंदे मातरम् के जोशीले नारे गूंज उठे। औपनिवेशिक शक्तियों ने इस समूह पर हमला कर दिया।

वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए और राष्ट्रीय ध्वज को अपने शरीर से लगाए कुमारन के सिर पर गंभीर चोटें आईं और राष्ट्र के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मृत्यु के समय उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी। जब मैं तिरुप्पुर कुमारन की आयु का उल्लेख करता हूं, तो मुझे उन अनेक युवाओं की याद आती है, जिन्होंने भारत माता के लिए अपने प्राण बलिदान कर दिए।

मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस पहल की सराहना करता हूं, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन के गुमनाम नायकों को देश के सामने लाया जा रहा है। मैं सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर आइए, हम मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों पर चिंतन करें और अपनी प्रतिबद्धता पुनः दृढ़ करें।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

जिस समय महाराज श्रीदशरथ ने सुना कि कैकेईजी कोपभवन में बैठी हुई हैं उस समय उनका कर्तव्य था कि वह उस लोभ तथा क्रोधग्रस्त क्रिया के पास न जाते। वे निर्णय कर लेते कि आज की रात्रि हम कौशल्याजी अथवा सुमित्राजी के भवन में व्यतीत कर लें, तो कोई समस्या न होती। इसका अभिप्राय है कि क्रोधग्रस्त तथा लोभग्रस्त क्रिया के संदर्भ में अगर महाराज श्रीदशरथ ने ज्ञान अथवा उपासना का आश्रय ले लिया होता तो वे संकट से बच जाते। तथा आगे जो अनर्थ कैकेई के द्वारा हुआ वह न होता। लेकिन गोस्वामीजी ने महाराज श्रीदशरथ के चरित्र की आलोचना करते हुए कहा कि कैकेई के समीप काम, क्रोध तथा लोभ तीनों विकारों में से केवल एक ही बचा हुआ था, काम। और महाराज श्रीदशरथ उसी काम को लेकर कैकेईजी के पास पहुंच गए। इसलिए जब उन्होंने सुन लिया कि कैकेई क्रोध में है तो तुरंत उनकी दशा कामी जैसी हो गई तथा जब वे चलने लगे तो उनके पैर कांपने लगे। कैकेई के सौंदर्य के प्रति बड़ी तीव्रतम आसक्ति उनके मन में है और इस प्रकार वे आसक्ति के फिसलदांर मार्ग पर चल रहे हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

आजादी का आनंद तभी मिलता है, जब आप जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेते हैं

1978 में मैं बॉम्बे (अब मुंबई) की रोश फार्मास्यूटिकल्स में अपनी पहली जॉब ऑफर के मेडिकल टेस्ट में फेल हो गया था। मैं घबरा गया, क्योंकि नौकरी मिलने से पहले ही मेरे हाथ से चली गई थी। मैंने नागपुर के सीताबर्डी मेन रोड स्थित 'कृष्णा क्लॉथ सेंटर' में ट्रंक कॉल बुक की और वहां के मालिक से कहा कि वे मेरे पिताजी को बुलाकर कहें कि मामला बहुत अर्जेंट है।

वे वहीं मेरे फोन का इंतजार करें। मैं दस मिनट में वापस कॉल करूंगा। दुकान के मालिक राजी हो गए, लेकिन साथ में पूछ लिया कि 'सब ठीक तो है?' मैंने झूठ बोला कि 'हां।' मैं भीतर से बेचैन था। हर मिनट बहुत धीरे बीत रहा था। मैंने छह मिनट में फिर कॉल किया।

मेडिकल रिजल्ट पढ़कर सुनाया, जिसके आखिर में लिखा था कि 'अगर आप जॉइन करना चाहते हैं तो आपको यह समस्या ठीक करके फिर मेडिकल टेस्ट देना होगा, ताकि 5 नवंबर से पहले जॉइन कर सकें।' मैं चुप हुआ तो उन्होंने कहा, 'हम्म।' मैंने तुरंत कहा, 'क्या हम्म? मैं 15 दिनों में यह सब कैसे कर सकता हूं?'

उन्होंने कहा कि 'अगर ऑपरेटर कॉल करे तो ट्रंक कॉल का समय तीन मिनट और बढ़वा लेना। मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं।' वे सुनाने लगे, '18 जुलाई, 1947 की सुबह रॉयल कमीशन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इकट्ठा हुआ, ताकि भारतीय स्वतंत्रता विधेयक पर किंग जॉर्ज-छठवें की सहमति ली जा सके।

सुबह 10.40 बजे जीएमटी (शाम 4.10 बजे आईएसटी) क्लर्क ने अनुमोदन के लिए प्रस्तावित विधेयकों के शीर्षक पढ़े। फिर चार शब्द आए- 'ले रोइ ले वेउत', जिसका फ्रेंच में मतलब है 'राजा की यही इच्छा है।' इन्हीं शब्दों के साथ विधेयक कानून बन गया।

25 जुलाई को सभी राज्यों के शासकों और मंत्रियों को संबोधित करते हुए लॉर्ड माउंटबेटन ने उनसे रक्षा, विदेश मामलों और संचार से संबंधित इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन को स्वीकारने का आग्रह किया और इसमें देरी की बहुत कम गुंजाइश छोड़ी। उन्होंने कहा, 'याद रखिए कि सत्ता हस्तांतरण का दिन करीब है। अगर आपको आना है तो 15 अगस्त से पहले आना होगा।'

सिर्फ दो दिनों में राजनीतिक हलकों ने यह भरोसा जता दिया कि आजादी से पहले सभी राज्य किसी न किसी डोमिनियन यानी शासन (दूसरा पाकिस्तान था) में शामिल हो जाएंगे। अगर पूरा देश महज 18-20 दिनों में तैयार हो सकता है, तो क्या तुम 15 दिनों में खुद को तैयार नहीं कर सकते?

आज रात ही कोई ट्रेन पकड़ कर सुबह 10 बजे तक यहां (नागपुर) आ जाओ। इंटरव्यू के लिए मैं अपने जिन अंकल के यहां ठहरा था, उनको बताकर वीटी स्टेशन (अब सीएसटी) पहुंचा। टॉयलेट गया, वह भी कुली को 20 रुपए देकर और नागपुर जाने वाली पहली ट्रेन के अनारक्षित डिब्बे में चढ़ गया।

मैंने अपने पिताजी को कोसा, क्योंकि रेलवे कर्मचारी के नाते वे फर्स्ट क्लास का जो पास इस्तेमाल करते थे, उसमें से मेरे 18 साल के होने पर डिपेंडेंट लिस्ट से मेरा नाम हटवा दिया। घर पहुंचने पर मैंने पिताजी से कहा, 'देख रहे हो अप्पा, आपकी तथाकथित ईमानदारी आपके इकलौते बेटे को कितना दर्द दे रही है, जो फर्स्ट क्लास का टिकट नहीं खरीद सकता?' पूरे सफर में मैं भूखा, प्यासा और गुस्से में रहा।

उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। 11वें दिन, जब पिताजी ने पहले ही मेरे लिए रिजर्व्ड थर्ड क्लास टिकट बुक करा लिया था, वे मुझसे बोले कि 'एक दिन तुम्हें इन मुश्किल भरे दिनों पर गर्व होगा और तुम अपने बच्चों को यह अनुभव सुनाओगे कि कैसे कम उम्र में ही तुम अपनी पहली नौकरी पाने के लिए जिम्मेदारी से खड़े हुए थे।'

ट्रेन चलने लगी तो उन्होंने कहा, 'टन पेयरे ले सूहैत' (फ्रेंच में, 'तुम्हारे पिता की यही इच्छा है') उनकी आंखें नम थीं। मेरी बॉम्बे वापसी, जो तब से मेरा शहर बन गया, आंसुओं के साथ शुरू हुई। लेकिन इसने मुझे अपनी आजादी के प्रति जिम्मेदार बनाया। मुझे गर्व है कि मैंने अपने पिताजी की बात रखी।

फंडा यह है कि स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए थोड़ी जिम्मेदारी के साथ 'आजादी' को महसूस करिए। फिर देखिए ये आपको कितना आनंद देती है।

चीफ जस्टिस बोले-समय पर और निष्पक्ष न्याय जनता का अधिकारः रायपुर में न्यायिक सेमिनार में हुए शामिल, आर्थिक अपराधों से लेकर ई-एफआईआर पर हुई चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की ओर से रायपुर संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय न्यायिक सेमिनार का आयोजन रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में किया गया। सेमिनार में रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार और महासमुंद जिले के 141 न्यायिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने दीप जलाकर किया। इस दौरान हाईकोर्ट के कई न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि समय के साथ कानून, तकनीक और समाज में बदलाव हो रहा है। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों को भी लगातार नई जानकारी हासिल करते रहना चाहिए और खुद को अपडेट रखना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ऑनलाइन लेन-देन, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से आर्थिक अपराध पहले की तुलना में ज्यादा जटिल हो गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, 2023 लागू होने के बाद आपराधिक न्याय व्यवस्था में भी कई बदलाव हुए हैं। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों को नए कानूनी प्रावधानों की सही जानकारी रखते हुए साक्ष्यों की सावधानी से जांच करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दीवानी मामलों में दस्तावेजी साक्ष्य की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। दस्तावेजों की वैधता, प्रमाण, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, स्टांप, पंजीयन और आपत्तियों से जुड़े मामलों का फैसले पर सीधा असर पड़ सकता है।

मुख्य न्यायाधीश ने आपराधिक मामलों में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जीरो एफआईआर और ई-एफआईआर से अपराध की शिकायत दर्ज कराना आसान और तेज हुआ है। इससे लोगों को अपराध किसी भी क्षेत्र में होने पर न्याय व्यवस्था तक पहुंचने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि चेक अनादरण (चेक बाउंस) के मामले अदालतों में लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा हैं। ऐसे मामलों को जल्दी निपटाने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान मध्यस्थता और समझौते जैसे तरीकों को बढ़ावा देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि इससे अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ कम होगा और लोगों के विवादों का जल्दी समाधान भी हो सकेगा। साथ ही, पक्षकारों के कारोबारी और व्यक्तिगत संबंध भी बने रह सकते हैं।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

नया रायपुर में स्टंटबाजी, पुलिस ने 3 दर्जन गाड़ियां जब्त की

रायपुर। राजधानी रायपुर के नया रायपुर स्थित सेंध लेक के पास स्वतंत्रता दिवस के मौके पर युवाओं का खतरनाक स्टंट पुलिस की नजर में आ गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मंदिर हसौद पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान तीन दर्जन से अधिक दोपहिया वाहन जब्त किए गए, जबकि 59 वाहनों का ई-चालान काटा गया।

दरअसल, पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि छुट्टियों और विशेष मौकों पर बड़ी संख्या में युवक सेंध लेक के आसपास इकट्ठा होकर बाइक से स्टंट करते हैं। इसे देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर 15 अगस्त को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस ने सेंध लेक और आसपास के इलाकों में चेकिंग प्वाइंट लगाकर वाहनों की जांच की। इस दौरान कई युवक बाइक पर तीन सवारी बैठाकर चलते मिले, जबकि कुछ युवक तेज रफ्तार में स्टंट करते पाए गए। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की।

'तिरंगा देश की आन, बान और शान है

एक व्यक्ति भी इसे लेकर निकले तो वह पूरे देश का गौरव हैः सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजधानी रायपुर देशभक्ति के रंग में पूरी तरह सराबोर नजर आई। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में शहर में एक विशाल व भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया। इस यात्रा में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा समेत विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्कूली विद्यार्थियों, और हजारों की संख्या में आम नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह नागरिकों और कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पवर्षा कर एवं गज़माला पहनाकर ऐतिहासिक स्वागत किया गया।यात्रा में

इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अपने सहज और आत्मीय अंदाज में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पूरे देश में 'हर घर तिरंगा' और 'तिरंगा यात्रा' की जो अलख जगाई है, उसका मुख्य उद्देश्य हमारी नई पीढ़ी को आजादी की असली कीमत समझाना और उनके दिलों में देशभक्ति का जज्बा व तिरंगे का महत्व स्थापित करना है। इसके लिए पूरा देश प्रधानमंत्री जी का आभारी है।

अग्रवाल ने तिरंगे की महत्ता को रेखांकित करते हुए भावुक अंदाज में कहा कि, 'तिरंगा हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। अगर एक अकेला नागरिक भी हाथ में तिरंगा लेकर निकलता है, तो वह पूरे हिंदुस्तान के गौरव और सम्मान को प्रदर्शित करता है।'

कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे देश के पूर्व सैनिकों का सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंच से ताली बजवाकर गर्मजोशी से अभिनंदन व स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों का त्याग और समर्पण ही देश की संप्रभुता की असली ताकत है।

इसके साथ ही सांसद अग्रवाल ने तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए रायपुर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रमेश ठाकुर, सभी मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों, पार्षदों और समर्पित कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनकी संगठनात्मक क्षमता व मेहनत की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और जनता के इस अपार उत्साह ने यह साबित कर दिया है कि राष्ट्रभक्ति की भावना हर रायपुरवासी के दिल में पूरी मजबूती से धड़क रही है।

कॉलेजों में दाखिले की तारीख अब 31 अगस्त तक बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में दाखिले का एक और मौका दिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अब छात्र 31 अगस्त तक कॉलेजों में प्रवेश ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश की तारीख बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। यह सुविधा उन शासकीय और निजी कॉलेजों में मिलेगी, जहां अभी सीटें खाली हैं।

इस फैसले से उन छात्रों को राहत मिलेगी, जो किसी वजह से तय समय में कॉलेज में प्रवेश नहीं ले पाए। खासकर दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के ऐसे छात्र, जो समय पर आवेदन नहीं कर सके थे, अब खाली सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे।

इससे पहले कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्राचार्य स्तर पर 31 जुलाई तक और कुलपति की अनुमति से 14 अगस्त तक की समय सीमा तय थी। तारीख निकलने के बाद भी कई कॉलेजों में सीटें खाली रह गई थीं। वहीं, कई छात्र भी समय पर प्रवेश नहीं ले पाए थे।

इसी को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश की तारीख बढ़ाने का फैसला लिया है। अब छात्रों को 31 अगस्त तक प्रवेश लेने का मौका मिलेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि सरकार का मकसद प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा पहुंचाना है। दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों के कई मेधावी छात्र व्यावहारिक दिक्कतों के कारण समय पर प्रवेश नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि सिर्फ तारीख निकल जाने की वजह से किसी योग्य छात्र का एक साल खराब हो या वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए प्रवेश की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ाई गई है। मंत्री ने छात्रों से इस मौके का लाभ उठाने की अपील की है।

गोदाम से प्रतिबंधित कीटनाशक, उर्वरक और बीज जब्त

रायपुर। जिले में बड़ी संख्या में प्रतिबंधित कीटनाशक, अवैध उर्वरक और बीज की बिक्री की सूचना लगातार मिल रही थी। कृषि विभाग की टीम ने कई जगहों पर एक साथ छापामारी कर कई गोदामों से प्रतिबंधित सामान जब्त किया। विभाग की टीम ने रविंद्र कुमार मित्तल के गोदाम लकी इंडस्ट्रीज के बाजू ट्रांसपोर्ट नगर टाटीबंध में अचानक छापा मारा। वहां से प्रतिबंधित कीटनाशी फोरेट 10जी, गैर पंजीकृत कीटनाशक नाइट्रोबेंजीन 35% समेत 355.92 क्विंटल और 12173 लीटर का भंडारण पाया गया।

इस तरह के कीटनाशक आम लोगों के साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए भी बेहद खतरनाक हैं। इनका भंडारण एवं पैकिंग भी गोदाम में किया जा रहा था। इस संबंध में कीटनाशी निरीक्षक ने वैधानिक कार्यवाही के लिए सूचना नियमानुसार वरिष्ठ अफसरों को भेज दी है। इसी गोदाम में 7.60 क्विंटल अवैध बीज एवं 22 प्रकार के 531.10 क्विंटल अवैध उर्वरक को जब्त किया गया है।

कभी जंगल में था खौफ, अब रैंप पर बिखेरा जलवा

रायपुर। रायपुर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर हुए स्वदेशी एक्सपो के वीडियो देशभर में वायरल हो रहे हैं। दरअसल, जिन महिलाओं के नाम की कभी जंगलों में दहशत हुआ करती थी, आज उनकी जिंदगी की नई यात्रा शुरू हो चुकी है।

कार्यक्रम में मॉडल्स के साथ 9 पूर्व महिला नक्सलियों ने भी हैंडलूम कपड़ों के साथ रैंप वॉक किया। यह फैशन शो सिर्फ पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि बदलते बस्तर और मुख्यधारा से जुड़ी महिलाओं की नई तस्वीर थी।

फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 अनुष्का सोन ने इस शो की अगुवाई की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पूर्व महिला नक्सलियों को मिल रहे प्यार को लेकर खुशी जताई।

कोसा सिल्क पहनकर उतरीं सरेंडर नक्सली महिलाएं। फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़ ने की शो की अगुवाई। कोसा सिल्क पहनकर उतरीं सरेंडर नक्सली महिलाएं। फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़ ने की शो की अगुवाई।

स्वदेशी फैशन शो में आत्मसमर्पित महिलाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बुनाई और कोसा सिल्क से तैयार आकर्षक परिधानों को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि रैंप वॉक करने वाली सभी आत्मसमर्पित महिलाएं पहली बार रायपुर पहुंची थीं। उनके लिए यह अनुभव बेहद खास और यादगार रहा। पारंपरिक परिधानों में रैंप पर चलती महिलाओं के चेहरे पर आत्मविश्वास और उत्साह साफ नजर आया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं से बातचीत की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शहर में मवेशियों की लड़ाई में बुजुर्ग-बच्चे हो रहे चोटिल

रायपुर। शहर की सभी सड़कों पर मवेशियों का डेरा है। आए दिन इनके चलते सड़क हादसे हो रहे हैं। इन हादसों में मवेशियों को भी चोट पहुंच रही है तो आम लोगों को भी नुकसान हो रहा है। झुंड के कारण यातायात बाधित होता ही है, रात के समय अचानक मवेशियों के सामने आने या फिर इनके बीच होने वाली लड़ाई से आम लोग चोटिल हो रहे हैं। सड़कों पर मवेशियों के झुंड से होने वाली समस्या को लेकर दैनिक भास्कर ने अभियान 'मवेशी मुक्त हों सड़कें' की शुरुआत सोमवार से की है। इस अभियान और अपनी समस्या को लेकर बड़ी संख्या में लोग दैनिक भास्कर से जुड़े और अपने क्षेत्र की तस्वीरें भेजीं।

श्रीनगर गुढ़ियारी रोड दही हांडी मैदान के पास हमेशा मवेशियों का झुंड रहता है। यहां सांडों के बीच लड़ाई से हादसे होते हैं। बीते सप्ताह मैं खुद सांडों की लड़ाई के बीच आ गया, जिससे मुझे गंभीर चोट आई। 3 दिनों तक हॉस्पिटलाइज रहा। फ्रैक्चर के साथ अन्य चोटें भी आई हैं। यह सबसे व्यस्त सड़क है और ऐसे में मवेशियों का झुंड सभी के लिए खतरा बना हुआ है। इन्हें हटाने ? में निगम रुचि नहीं दिखा रहा है।

इन इलाकों में भी समस्या7मवेशियों की समस्या को लेकर दैनिक भास्कर से शहर के अलग-अलग हिस्सों से लोगों ने संपर्क किया। सड्डू साइंस सेंटर के सामने से प्रहलाद साहू, पंडरी ओल्ड बस स्टैंड के आसपास की समस्या के लिए संजय बत्रा, विनीत तिवारी, दलदल सिवनी-मोवा मुख्य मार्ग की समस्या के लिए रवि ग्रोवर, कचना मुख्य मार्ग के लिए चंदन सहित अन्य ने संपर्क किया।

कवर्धा-बेमेतरा-सिमगा से रायपुर को जोड़ने की योजना, डीपीआर जल्दः भोपाल से रायपुर तक बनेगा नया कॉरिडोर, कम होगा सफर का समय

रायपुर। रायपुर से भोपाल का सड़क सफर आधा हो सकता है। मध्यप्रदेश सरकार भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और जबलपुर से छत्तीसगढ़ सीमा तक सिक्सलेन सड़क की करीब 15 हजार करोड़ रुपए की योजना तैयार कर रही है। इसे छत्तीसगढ़ में कवर्धा, बेमेतरा और सिमगा होते हुए रायपुर से जोड़ने की योजना है। रायपुर से भोपाल तक 15-16 घंटे का समय लगता है। इस कॉरिडोर के बनने से समय कम लगेगा। वहीं रायपुर-जबलपुर की यात्रा के दौरान 8 घंटे से भी कम समय लगेगा।

प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे भोपाल से शुरू होकर सागर, दमोह, जबलपुर और मंडला होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक पहुंचेगा। इसके बाद इसे कवर्धा, बेमेतरा और सिमगा के रास्ते रायपुर से जोड़ा जाएगा। सिक्सलेन कॉरिडोर बनने से मौजूदा सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।

एक नजर में सड़क

15-16 घंटे अभी रायपुर से भोपाल का सफर।

7-8 घंटे रायपुर-जबलपुर की यात्रा के दौरान समय लगता है।

कई घंटे कम हो सकता है रायपुर-जबलपुर का सफर।

करीब 15 हजार करोड़ की पूरी योजना।

2500 करोड़ जबलपुर- छग के हिस्से पर अनुमानित खर्च।

चिल्फी घाट वाले हिस्से पर 2500 करोड़ खर्च का अनुमान

भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के साथ जबलपुर से छत्तीसगढ़ सीमा तक मौजूदा सड़क को सिक्सलेन में अपग्रेड करने की योजना है। चिल्फी घाट के रास्ते वाले इस हिस्से पर करीब 2500 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इससे रायपुर और जबलपुर के बीच आवाजाही तेज होगी। व्यापार के साथ पर्यटन को भी फायदा नया कॉरिडोर बनने से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच माल परिवहन तेज होगा और व्यापार को फायदा मिलने की उम्मीद है। रायपुर समेत आसपास के जिलों से कान्हा-किसली जाना भी आसान होगा। वहीं भोपाल और जबलपुर से छत्तीसगढ़ आने वाले पर्यटकों के लिए सड़क संपर्क बेहतर होगा।

योजना के लिए डीपीआर तैयार करने के साथ जमीन अधिग्रहण और निर्माण एजेंसी के चयन समेत आगे की प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। काम का दबाव बना रहेगा, लेकिन परिवार का सहयोग मिलने से परिस्थितियां संभालने में आसानी होगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए काम को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अनावश्यक खरीदारी और दिखावे पर खर्च करने से बचें। परिवार के किसी सदस्य की सलाह महत्वपूर्ण निर्णय में मददगार साबित हो सकती है।

वृषभ। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा। किसी बड़े निवेश या लेन-देन से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की वरिष्ठ अधिकारी सराहना कर सकते हैं। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

मिथुन। आज कमाई के नए अवसर सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा, जिससे महत्वपूर्ण काम आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार में नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और किसी पुराने मित्र से उपयोगी जानकारी मिल सकती है।

कर्क। धन से जुड़े फैसलों में दूरदर्शिता दिखाना आपके लिए लाभकारी रहेगा। किसी निवेश में पैसा लगाने से पहले विशेषज्ञ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और किसी सदस्य के साथ महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है। यात्रा से लाभ मिलने के संकेत हैं।

सिंह। चंद्रमा आपकी राशि में होने से आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभाल सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों की नजर आपके काम पर रहेगी, इसलिए हर कार्य सावधानी से पूरा करें। मान-सम्मान मिलने के योग हैं। व्यापार में नई योजना बनाने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक मामलों में स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है।

कन्या। आज आपकी बौद्धिक क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी जटिल समस्या का समाधान अपनी समझदारी से निकाल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से महत्वपूर्ण सलाह मिल सकती है। व्यापार में नए अवसर दिखाई देंगे, लेकिन आर्थिक फैसले सोच-समझकर ही लें। बजट का विशेष ध्यान रखना जरूरी होगा।

तुला। कार्यस्थल पर आपकी पहचान और प्रभाव मजबूत होगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना कर सकते हैं और किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। व्यापार में पुराने संपर्कों से फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ सुखद समय बीतेगा।

वृश्चिक। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने लक्ष्यों को लेकर अधिक स्पष्ट रहेंगे। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से रुके हुए कार्य समय पर पूरे होने की संभावना है। व्यापारियों को किसी पुराने सौदे से लाभ मिल सकता है। नए व्यवसायिक संपर्क भविष्य में उपयोगी साबित होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करें। अनावश्यक जोखिम लेने से बचना बेहतर होगा।

धनु। भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आप उन्हें अपनी क्षमता से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों के लिए नए सौदे लाभदायक साबित हो सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है, विशेषकर उच्च शिक्षा या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। किसी धार्मिक या मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर। व्यवसायिक सहयोग से लाभ मिलने के अच्छे संकेत हैं। किसी पुराने संपर्क के माध्यम से नया अवसर प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी। आय में बढ़ोतरी की उम्मीद है और आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो सकती है। निवेश से जुड़े फैसले लेते समय जल्दबाजी न करें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी।

कुंभ। कार्यशैली में सुधार होगा और आप काम को पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित ढंग से पूरा कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी क्षमता की सराहना हो सकती है। पुराने दोस्तों से मुलाकात संभव है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। किसी पुराने निवेश या संपर्क से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा। प्रेम संबंधों में संवाद बढ़ाने से रिश्ते मजबूत होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है।

मीन। **मीन राशि:** आज आपको अपने काम में एकाग्रता बनाए रखने की आवश्यकता होगी। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे सफलता मिलने के संकेत हैं। व्यापार में कोई नई योजना शुरू करने से पहले उसके लाभ और जोखिम का आकलन जरूर करें। जल्दबाजी से बचने पर बेहतर परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रह सकती है, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना जरूरी होगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। जीवनसाथी और परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान लगाने के लिए व्यवस्थित दिनचर्या बनानी चाहिए। प्रेम संबंधों में भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। स्वास्थ्य की दृष्टि से खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

परीक्षा व्यवस्था बदलेगी: सीएम

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की बड़ी घोषणा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि युवा अपनी मेहनत पर भरोसा रखें। सरकार उनके सपनों की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में भर्ती परीक्षाओं को लेकर कई सवाल उठे हैं। जब परीक्षा व्यवस्था पर संदेह पैदा होता है तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती है, बल्कि पूरी पीढ़ी का विश्वास प्रभावित होता है। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया कि उनकी मेहनत को किसी माफिया, भ्रष्ट तंत्र या अनियमितता के भरोसे नहीं छोड़ा जाएगा। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। लेकिन बिना प्रमाण ?के किसी को दोषी नहीं ठहराया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को मोरहाबादी मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों और राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य गंभीर अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। यह पूरे देश के सामने एक चुनौती है। हालांकि दूसरे राज्यों में क्या हुआ, उससे झारखंड की जिम्मेदारी कम नहीं होती। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है झारखंड का युवा, उनका भविष्य और उनका विश्वास। इसलिए सरकार ने सिर्फ कार्रवाई नहीं, बल्कि परीक्षा व्यवस्था में बदलाव का फैसला लिया है। जांच पूरी निष्पक्षता से होगी। जो भी दोषी होगा, कानून उसके साथ कठोरता से पेश आएगा। दोषी व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, अगर उसकी संलिप्तता सिद्ध होता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने 'छात्रों की बात-छात्रों के साथ' अभियान शुरू किया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के साथ शिक्षक, शिक्षाविद और अभिभावक भी परीक्षा सुधार की प्रक्रिया में सहभागी होंगे। युवाओं को सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सीएम ने कहा कि आने वाले 25 वर्षों का झारखंड युवाओं की शिक्षा, कौशल, आत्मविश्वास और सपनों से तय होगा।

4 लाख करोड़ का निवेश होगा, 22 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

सीएम ने कहा कि चार प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों के साथ करीब चार लाख करोड़ रुपए के निवेश के लिए 40 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इन प्रस्तावों से 22 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिलेगा। झारखंड में ऐसा औद्योगिक वातावरण तैयार किया जाएगा, जहां का स्थानीय उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचे। स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा मिले और युवाओं को अपने जिले में ही बेहतर अवसर मिल सके।

रोजगार के नए अवसर तलाश किए जाएंगे... सीएम ने कहा कि रोजगार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। सरकार का लक्ष्य सिर्फ सरकारी विभागों में खाली पद भरना नहीं है। उद्योग, कृषि, डेयरी, मत्स्य पालन, पर्यटन, डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर तैयार किए जाएंगे। युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिल सके, इसके लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, रोजगार देने वाला बनाया जाए।

जामताड़ा में डेढ़ किमी सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे :आकना से सटकी स्कूल तक जर्जर सड़क, पानी भरने से गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल

जामताड़ा। जामताड़ा के कुंडहित प्रखंड में आकना गांव से सटकी स्कूल तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के मौसम में स्थिति और खराब हो गई है।

गड्ढों में पानी भर जाने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। इससे ग्रामीणों के साथ बंगाल के बाबूजोड़ बाजार और कॉलेज आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए यह रास्ता खासा जोखिम भरा हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। खासकर सुबह और दोपहर के समय स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में अभिभावक भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के दौरान सड़क पर बने गड्ढों में पानी जमा होने से वाहन चालकों को यह पता नहीं चल पाता कि सड़क कितनी गहरी है।

अब तक नहीं हुई स्थायी पहल

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या नई नहीं है। लंबे समय से सड़क जर्जर होने के बावजूद इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों ने कई बार संबंधित जनप्रतिनिधियों और विधानसभा अध्यक्ष को सड़क की स्थिति से अवगत कराया है। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क कई गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

आकना और आसपास के गांवों के लोग इसी रास्ते से बंगाल के बाबूजोड़ बाजार, कॉलेज और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचते हैं। सड़क खराब होने के कारण खासकर बरसात के दिनों में आवागमन प्रभावित होता है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी मरीज को अस्पताल ले जाने या जरूरी काम से बाहर जाने की स्थिति में भी इस सड़क से गुजरना मुश्किल हो जाता है। वहीं दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों और पानी के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण की मांग की

सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीण सब्यसाची बागती, पिंटू बागती, ललन मंडल, मनोज कुमार समेत दर्जनों लोगों ने जिला प्रशासन से मामले में शीघ्र पहल करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क की स्थायी मरम्मत या पुनर्निर्माण होने से आसपास के गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि केवल गड्ढों में मिट्टी या पत्थर डालकर अस्थायी मरम्मत से समस्या का समाधान नहीं होगा।

स्वतंत्रता दिवस पर रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम में आयोजित हुआ समारोह

पाकुड़। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने परेड का निरीक्षण करने के उपरांत ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।समारोह में एसपी अनुदीप सिंह, डीएफओ सौरभ चन्द्रा, डीडीसी अरविन्द कुमार लाल, एसडीओ साईमन मरांडी समेत जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डीसी मेघा भारद्वाज ने जिलेवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि झारखंड की धरती वीरता, संघर्ष, त्याग और जनभागीदारी की समृद्ध परंपरा की साक्षी रही है। स्वतंत्रता दिवस हमें महान बलिदानों को स्मरण करने के साथ-साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को और सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उपायुक्त ने कहा कि विकास की यात्रा में समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना, प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करना, महिलाओं की भागीदारी एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा जिले को समावेशी एवं सशक्त बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

देवघर में श्रद्धालुओं की 10 किमी लंबी कतारः सुबह 4 बजे से लगातार हो रहा जलार्पण, नाग पंचमी-मनसा पूजा के संयोग से बढ़ी भीड़

देवघर। देवघर में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की तीसरी सोमवारी पर बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार रात से ही कांवरियों और भक्तों की भीड़ बाबाधाम पहुंचने लगी थी। सोमवार सुबह तक पूरा देवघर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंज उठा। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण के लिए कांवरियों की कतार देर रात से ही लगनी शुरू हो गई थी।

तीसरी सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। प्रात: 3 बजे बाबा बैद्यनाथ मंदिर का पट खोला गया। इसके बाद सरदार पंडा गुलाब नंद झा ने बाबा बैद्यनाथ की सरकारी पूजा संपन्न की। सरकारी पूजा के बाद सुबह 4:15 बजे श्रद्धालुओं के लिए बाबा बैद्यनाथ मंदिर का पट खोल दिया गया। तब से लगातार जलार्पण जारी है।

माई भारत लोहरदगा कार्यालय में ध्वजारोहण और तिरंगा यात्रा का आयोजन

लोहरदगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत (माई भारत), लोहरदगा द्वारा कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान व देशभक्ति की भावना का संदेश दिया गया। ध्वजारोहण के उपरांत विद्यार्थियों और युवाओं की सहभागिता से तिरंगा यात्रा का भी आयोजन किया गया।

तिरंगा यात्रा में अवेयरनेस शिक्षा अकादमी इंग्लिश मीडियम पब्लिक स्कूल, सीठियो लोहरदगा के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया व आम नागरिकों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

मौके पर विद्यार्थियों और उपस्थित युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के योगदान, संविधान के मूल्यों व राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करना रहा। माई भारत, लोहरदगा द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा गया कि आज का युवा ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से एकता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं व माई भारत के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

4		6	5		2	8		9
				4			3	
								5
6			8			1		
5				7			8	
3		2	9		4		6	
	2		6					1
				5	3	9	4	
8	3			9				2

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस मेधावी विद्यार्थियों को दी गई छात्रवृत्ति

सिमडेगा। विद्या वनस्थली शिक्षा समिति द्वारा संचालित जूनियर सेकेंडरी स्कूल,सिमडेगा में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, संस्कृति और विद्यार्थियों की प्रतिभा के रंग में धूमधाम से मनाया गया।

समारोह में विद्यालय के संरक्षक आचार्य डॉ. पद्मराज स्वामी जी महाराज सहित मनोज सारंगी, रामनिवास अग्रवाल, रेखा रानी, माया अग्रवाल, सुशीला देवी, पूर्व छात्र सत्यजीत कुमार, अभिभावक, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ प्राचार्या प्रभा केरकेट्टा ने ध्वजारोहण कर किया। राष्ट्रगान के बाद उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने खड़िया लोकनृत्य सहित विभिन्न देशभक्ति गीतों पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। फैसल एवं अनन्या ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। वहीं साकिब राज,मनन और अंजलि ने हिंदी,अंग्रेजी और संस्कृत में स्वतंत्रता दिवस पर अपने विचार रखे।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार द हड्रेड चैंपियन बना: ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया; सीफर्ट के 72 रन, डॉसन ने छक्के से जिताया

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार 'द हंड्रेड' मेन्स कॉम्पिटिशन का खिताब जीत लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स के 158 रन के लक्ष्य को 19.3 गेंद में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टिम सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन की पारी खेलकर जीत की नींव रखी, जबकि लियाम डॉसन ने आखिरी गेंदों में छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

सीफर्ट ने 38 गेंद में 72 रन बनाए

मैनचेस्टर की जीत में न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने 38 गेंद में 72 रन बनाए। पारी में 7 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। सीफर्ट ने सिर्फ 23 गेंद में फिफ्टी पूरी कर ली थी। उन्होंने पॉल वॉल्टर के साथ पहले विकेट के लिए तेज शुरुआत करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आखिरी गेंदों में रोमांच, डॉसन ने छक्का लगाकर जिताया

सीफर्ट के आउट होने के बाद मैनचेस्टर का स्कोर 23 गेंद बाकी रहते 136 रन था और जीत के लिए 23 रन चाहिए थे। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स ने वापसी की कोशिश की। मोहम्मद आमिर ने लगातार गेंदों पर हेनरिक क्लासेन और माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया।

मैनचेस्टर को आखिरी 3 गेंद में 3 रन चाहिए थे। बेन सैंडरसन की अगली दो गेंदों पर रन नहीं बना। इसके बाद लियाम डॉसन ने तीसरी गेंद पर मिड-विकेट के ऊपर से छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया।

मैनचेस्टर ने 19.3 गेंद में 162/5 रन बनाकर 5 विकेट से जीत दर्ज की।

ट्रेंट रॉकेट्स ने बनाए 158 रन

इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 100 गेंद में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। एनेरिन डोनाल्ड ने 19 गेंद में 38 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। लुईस ग्रेगरी ने 16 गेंद में 32 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया।

मैनचेस्टर की ओर से नूर अहमद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। सोनछ्व4 बेकर ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए।

सीफर्ट को 33 रन पर मिला जीवनदान

सीफर्ट 33 रन पर आउट होने से बच गए। उन्होंने गेंद को लेग साइड में बाउंड्री की ओर खेला था। फिन एलन ने बाउंड्री के पास कैच लेने की कोशिश की और गेंद को मैदान के अंदर वापस फेंक दिया, लेकिन रीप्ले में उनका पैर बाउंड्री रोप को छूता दिखा। थर्ड अंपायर ने इसे छह रन दिया। इसके बाद सीफर्ट ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 72 रन बनाए।

बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए

सीफर्ट और पॉल वॉल्टर ने मैनचेस्टर को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंद में 23 रन बनाए। उन्होंने 3 छक्के लगाए। बटलर के आउट होने के बाद भी सीफर्ट ने रन बनाने की रफ्तार बनाए रखी और टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

मैनचेस्टर ने नाम बदलने के बाद जीता पहला खिताब

मैनचेस्टर की टीम पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से खेलती थी। इस सीजन से फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स किया गया। टीम इससे पहले दो बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दोनों बार उसे हार मिली थी। इस बार टीम ने पहली बार खिताब जीत लिया।

ट्रेंट रॉकेट्स की पुरुष टीम के पास एक ही दिन में मेन्स और वूमेंस दोनों खिताब जीतने का मौका था। उसकी महिला टीम इससे पहले फाइनल में सनराइजर्स लीड्स को हराकर चैंपियन बन चुकी थी। पुरुष टीम के हारने के साथ उसका डबल पूरा करने का सपना टूट गया।

लास्ट 5 बॉल्स का ड्रामा

1. **96वीं गेंद:** हेनरिक क्लासेन आउट – मोहम्मद आमिर
2. **97वीं गेंद:** माइकल ब्रेसवेल आउट – मोहम्मद आमिर
3. **98वीं गेंद:** डॉट बॉल – बेन सैंडरसन
4. **99वीं गेंद:** डॉट बॉल – बेन सैंडरसन
5. **100वीं गेंद:** लियाम डॉसन का विनिंग सिक्स

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा टूटा, 77,700 पर कारोबार; निफ्टी भी 50 अंक नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार, 17 अगस्त को गिरावट देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा गिरकर 77,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी 50 अंक से ज्यादा टूटकर 24,300 के स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में निवेशकों की बिकवाली के बीच **IT** बैंकिंग और **FMCG** शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिल रहा है।

भारतीय बाजार में गिरावट के बीच एशियाई बाजारों में आज तेजी का रुख है। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 165 अंक बढ़कर 6,978 पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 8 अंक की मामूली तेजी के साथ 68,721 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 392 अंक बढ़कर 25,509** के स्तर पर पहुंच गया।

14 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी गिरावट रही। डाउ जोन्स 108 अंक गिरकर 53,732पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक 74 अंक टूटकर 26,729 और ए-जेड 500 13 अंक की गिरावट के साथ 7,786 के स्तर पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों में भारतीय शेयर बाजार से 747 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। हालांकि ताजा आंकड़ों में **FII/FPI** ने 508 करोड़ रुपये की खरीदारी की। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों यानी **DII** ने हालिया सत्र में 356 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। पिछले सात दिनों में **DII** की खरीदारी 10,576 करोड़ रुपये रही।

सोना 1,703 बढ़कर 1.54 लाख पर पहुंचा: इस महीने 11 हजार महंगा हो चुका, चांदी आज 2,531 बढ़कर 2.36 लाख किलो हुई

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 17 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,703 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 2,531 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 17 दिन में ही सोना 11 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 6 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.36 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

महिला हॉकी वर्ल्डकप में भारत-चीन मैच 2-2 से ड्रॉ: नवनीत-दीपिका ने गोल दागे, यिंग-निंग ने भी गोल किए

एम्सटेलवीन। FIH रैंकिंग में नंबर-9 की टीम इंडिया ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप के पहले मैच में नंबर-4 रैंक चीन को 2-2 के ड्रॉ पर रोक लिया। टीम का अगला मैच साउथ अफ्रीका से होगा।

वैगनर स्टेडियम में रविवार को 8वें मिनट में नवनीत कौर ने फील्ड गोल करके इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। 15वें मिनट में चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। झांग यिंग ने पेनल्टी पर गोल स्कोर किया।

25वें मिनट में दीपिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को आगे कर दिया। 39वें मिनट में मा निंग ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर बराबर किया।

आखिरी क्वार्टर में चीन ने दबाव बनाया, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव करते हुए मैच ड्रॉ कराया।

भारत ने आक्रामक शुरुआत की और गेंद अपने पास रखकर चीन पर दबाव बनाया। सर्कल के अंदर फाउल के कारण उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नवनीत के शॉट को चीन की डिफेंस ने रोक लिया।

8वें मिनट में नेहा ने गेंद सर्कल में भेजी और नवनीत ने इसे गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। चीन धीरे-धीरे मैच में लौटा और भारतीय सर्कल में मौके बनाने शुरू किए।

14वें मिनट में सर्कल के अंदर फाउल के लिए चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। भारत ने इस फैसले के खिलाफ रेफरल लिया, लेकिन फायदा नहीं हुआ। यिंग झांग ने साविता को गलत दिशा में भेजते हुए पेनल्टी को गोल में बदल दिया और स्कोर 1-1 कर दिया।

गोल खाने के बाद भी भारत ने संयम बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर की शुरुआत मजबूत की। शिल्पी ने सर्कल के अंदर चीन के प्रयास को रोकने के लिए साहसिक डिफेंस किया।

भारत चीन की डिफेंस में जगह बनाने में कामयाब रहा। नवनीत ने चीन की पहली डिफेंस लाइन के पीछे पहुंचकर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

तीसरे क्वार्टर में चीन ने बराबरी की

ब्रेक के बाद चीन ने ज्यादा आक्रामकता के साथ वापसी की और भारत पर दबाव बना दिया। चीन ने ऊपर से प्रेसिंग शुरू की और भारतीय सर्कल के अंदर लगातार मौके बनाए।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में डिफ्लेक्शन के बाद गोल के सामने खतरा पैदा हुआ, लेकिन साविता ने शानदार बचाव करते हुए चीन को रोक दिया।

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई।

इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया।

इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी।

किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप शुरू : भारत 17 साल बाद मेजबानी कर रहा, सिंधु के पास छठा मेडल जीतने का मौका

नई दिल्ली में आज से बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप शुरू हो रही है। भारत 17 साल बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। 23 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के मुकाबले इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होंगे।

7 दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में पीवी सिंधु के पास अपना छठा मेडल जीतने का मौका है। वहीं, सात्विक-चिराग लगातार दूसरी बार मेडल जीतने के इरादे से उतरेंगे।

बैडमिंटन का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। जो ओलिंपिक इयर को छोड़कर हर साल होता है। इसका आयोजन बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (क्क्ष्स्न) करता है। यहां जीतने वाले खिलाड़ी को अपने इवेंट का वर्ल्ड चैंपियन माना जाता है।

पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप 1977 में स्वीडन में हुई थी। शुरुआत में यह हर तीन साल में होती थी। 1983 के बाद 2 साल के अंतराल पर होने लगी। 2005 से यह ओलिंपिक इयर को छोड़कर हर साल आयोजित की जाती है।

नई दिल्ली में इस चैंपियनशिप का 30वां एडिशन है। पिछला आयोजन 2025 में पेरिस में हुआ था। डेनमार्क ने सबसे ज्यादा 5 बार इस टूर्नामेंट की मेजबानी की है। स्पेन, चीन, इंडोनेशिया और इंग्लैंड 3-3 बार होस्ट कर चुके हैं। पिछला मेजबान फ्रांस था।

5 कैटेगरी में मैच होते हैं। इनमें पुरुष सिंगल्स, महिला सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं।

हर कैटेगरी के विजेता को गोल्ड मेडल मिलता है। उसे अगले एडिशन तक वर्ल्ड चैंपियन का खिताब भी मिलता है। दोनों सेमीफाइनल हारने वाले खिलाड़ियों और जोड़ियों को ब्रॉन्ज दिया जाता है।

सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल चीन ने जीते हैं। वहां लिन डैन सबसे ज्यादा इंडिविजुअल गोल्ड जीतने वाले प्लेयर हैं। वे 5 बार वर्ल्ड चैंपियन का टाइटल अपने नाम कर चुके हैं। विमेंस कैटेगरी में जापान की अकाने यामागुची और स्पेन की कैरोलिना मारिन 3-3 बार वर्ल्ड चैंपियन बनी हैं।

यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है राजस्थान रॉयल्स: मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या से ट्रेड की अटकलें; फ्रेंचाइजी का कोई बयान नहीं आया

राजस्थान रॉयल्स IPL 2027 से पहले भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या के साथ उनका ट्रेड हो सकता है। खबर है कि राजस्थान का मैनेजमेंट जायसवाल के रवैये से खुश नहीं हैं। इसकी मुख्य वजह रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना बताई जा रही है। हालांकि, फ्रेंचाइजी या खिलाड़ी की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान को ऑप्शन दिया

जायसवाल ने **IPL** 2026 के 16 मैचों में 427 रन बनाए थे। उन्होंने 30.50 के एवरेज और 152.50 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वे सीजन में सिर्फ 3 फिफ्टी लगा सके।

पूरे सीजन में उनके ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी स्पॉटलाइट में रहे। वैभव ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने ऑरेंज कैप, सुपर सिक्सेस और सुपर स्ट्राइकर का खिताब जीता।

राजस्थान को फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की जरुरत

राजस्थान रॉयल्स को फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की जरुरत है। पिछले साल उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया था। हालांकि करन चोट की वजह से सीजन का एक भी मुकाबला नहीं खेल सके थे।

हार्दिक के ट्रेड की खबरें पहले भी आ चुकीं

हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शामिल हो सकते हैं।

राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स भी हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं।

स्पोर्टस्टार से बातचीत में मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने खिलाड़ियों के ट्रेड के संबंध में किसी बातचीत से इनकार किया था।

घुड़सवारों के साहस, महिला बैग पाईपर बैंड की लय और श्वान दल के रोमांचक प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में घुड़सवार दलों ने अपने अदम्य साहस और ऊर्जा का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिला बैग बाईपर बैंड की लयबद्ध प्रस्तुति ने उपस्थित जनों की सराहना पाई। इसके साथ ही आज के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस के श्वान दल के रोमांचक प्रदर्शन में दर्शकों को बेहद उपयोगी जानकारी भी दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में घुड़सवार दल का हॉर्स शो भी आकर्षण का केंद्र रहा। तीसरी वाहिनी अमलेश्वर के घुड़सवार दल ने फ्लैग मार्च, टेंट पैगिंग, नेज़ाबंदी शो, जंपिंग और गैलप राउंड जैसी रोमांचक प्रस्तुतियां दी। आरक्षक धनेश्वर कंवर ने अश्व आदित्री पर फ्लैग मार्च किया। अजय कुमार यादव ने अश्व आभा पर स्टैंडिंग सैल्यूट किया गया। टैंट पैंगिंग में अश्व रूद्र, अश्वस्थामा, प्रिंसेस सारा और शक्ति में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अश्व युवराज, अवनि, कावेरी, जूही और ओजस ने शो जंपिंग में जलवा दिखाया। उपस्थित जनसमुदाय ने अश्वदल का तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत अभिनंदन किया।

महिला बैगपाइपर बैंड ने दी आकर्षक प्रस्तुति

आरक्षक सोनबती ठाकुर के नेतृत्व में प्रदेश के पहले महिला बैगपाइपर बैंड ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में आर्कषक प्रस्तुति दी। 20वीं भारत रक्षित वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के 35 सदस्यों के इस बैगपाइपर बैंड द्वारा क्विक मार्च में इंडिया गेट, केसरिया बाना, हार्श मेन, शांति सेना और पुलकित हिमालय जैसी धुनें बजाई गई। बैंड ने स्लो मार्च में नवरंगी और तर्शपे रील, ड्रम कॉल भी सुनाया। बैंड के सदस्यों ने अपने हाथों में सेरेमोनियम मेस बैंड, बेस, टेनर, साइड ड्रम और बैगपाइपर जैसे वाद्ययंत्रों पर मोहक धुनें बजाकर उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया।

इस बैगपाइपर महिला बैंड ने 2022 में हरियाणा के पंचकुला में आईटीबीपी के बीटीसी मानु में 6 महीनों तक कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस बैगपाइपर बैंड ने 25 वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता दीमापुर नागालैंड में 2024 में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। यह प्रतियोगिता असम रायफल्स के दीमापुर प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित हुई थी। 26वीं अखिल भारतीय पुलिस पाईप बैंड हैदराबाद में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दल को गोल्ड मेडल भी मिला था। इस प्रतियोगिता में सोनबती ठाकुर ने बेस्ट कंडक्टर और पूरे प्लाटून में ऑल राउंडर द बेस्ट का खिताब भी जीता था।

डॉग स्क्वाड द्वारा रोमांचक एवं उपयोगी प्रदर्शन

स्वतंत्र दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में छत्तीसगढ़ पुलिस के डॉग स्क्वाड ने भी अपनी दक्षता, अनुशासन, सुंघने की शक्ति का रोमांचक प्रदर्शन किया। स्क्वाड प्रभारी श्री राज कपूर के नेतृत्व में 7 विधाओं में डॉग स्क्वाड के श्वानों द्वारा अपने हैंडलर्स के निर्देशों का पालन प्रदर्शन करने पर उपस्थित जनसमुदाय भी रोमांच से भर गया। पुलिस डॉग मैक्स ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रशिक्षित श्वानों ने कमल फूल की आकृति में खुद को व्यवस्थित कर खूब तालियां बटोरी। श्वानों द्वारा गोल रिंग में सिट, डाउन, रेस्ट स्लीप, रोल और अप जैसे निर्देश पूरी दक्षता से पूरे किये। वहीं गोल रिंग में जल रही आग के बीच से श्वान दुलार, मेरी और शिवा ने छलांग लगाकर लोगों को रोमांचित कर दिया। पुलिस परेड ग्राउंड पर इन प्रशिक्षित श्वानों ने जमीन में दबे विस्फोटक पदार्थों और नारकोटिक सामग्रियों को भी बड़ी तीव्रता से ढूंढ निकाला। श्वानों ने कई गंधों के मिश्रण से एक निर्धारित गंध की पहचान करने रूमाल सूंघ कर संबंधित व्यक्ति को पहचानने का भी प्रदर्शन किया।

कचरे में संभावना तलाशने वाली अर्चना की सोच राष्ट्रीय मंच तक पहुंची

रायपुर। प्लास्टिक कचरे को समस्या के बजाय संसाधन के रूप में देखने वाली रायगढ़ जिले की छात्रा अर्चना एक्का ने अपने नवाचार से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पीएम श्री सेजेस धरमजयगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा अर्चना के नवाचार 'ईको ब्रिक बैंक रू प्लास्टिक कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलना' का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि उनकी रचनात्मक सोच, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान तलाशने की क्षमता को दर्शाती है।

राज्य स्तरीय मंच से राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचा नवाचार

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अर्चना ने दुर्ग स्थित छत्रपति शिवाजी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईटी) में आयोजित राज्य स्तरीय मार्गदर्शन सत्र में रायगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के समक्ष अपने नवाचार का प्रतिरूप प्रस्तुत किया। विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों के आधार पर परियोजना में आवश्यक सुधार किए गए। पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वास्तविक समस्या के समाधान और परियोजना की उपयोगिता को देखते हुए 'ईको ब्रिक बैंक' का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया। अर्चना की परियोजना का उद्देश्य अनुपयोगी समझकर फेंके जाने वाले प्लास्टिक को एकत्रित कर उसका पुनः उपयोग करना और उससे टिकाऊ एवं उपयोगी उत्पाद तैयार करना है।

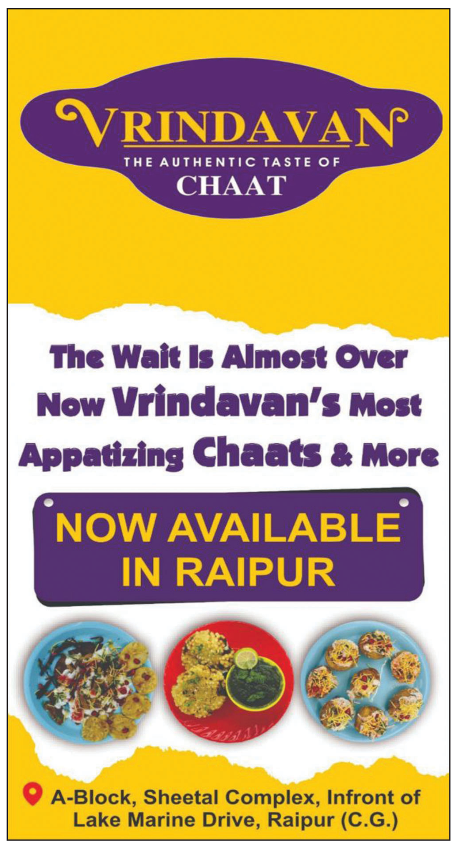

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684